घटती घटना

सत्य के साथ...जनहित में बात...

अम्बिकापुर,वर्ष 22, अंक - 32- मंगलवार 02- दिसम्बर 2025,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये ,www.ghatati-ghatana.com,RNI Reg.No.- CHHHIN/2004/15050,डाक पंजीयन. क्रं. 13/Surguja DN/ 2023-2025

शीतकालीन सत्र के पहले दिन एसआईआर के मुद्दे पर हंगामा

सदन में ड्रामा नहीं,डिलीवरी देनी चाहिए

विपक्ष हार को पचा नहीं पा रहा : पीएम मोदी

खड़गे ने कहा...धनखड़ को फेयरवेल नहीं मिला...इसका दुःख

नई दिल्ली,01 दिसम्बर 2025। संसद का शीतकालीन सत्र सोमवार से शुरू हो गया। दोनों सदनों में एसआईआर और वोट चोरी के आरोप के मुद्दे पर हंगामा हुआ। एसआईआर पर चर्चा की मांग को लेकर विपक्ष के हंगामे के बीच लोकसभा की कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित कर दी गई है। अब सदन की कार्यवाही 2 दिसंबर को 11 बजे से शुरू होगी। सदन की कार्यवाही से पहले पीएम मोदी ने संसद के बाहर मीडिया से 10 मिनट बात की। उन्होंने कहा कि विपक्ष हाल के चुनावों में पराजय की निराशा से बाहर निकले और सदन में मजबूत मुद्दे उठाए। अगर विपक्ष चाहे तो मैं उन्हें टिप्स देने के लिए तैयार हैं कि कैसे परफॉर्म किया जाए। पीएम ने कहा कि यह सत्र पराजय की हताशा या विजय के अहंकार का मैदान नहीं बनना चाहिए। नई पीढ़ी के सदस्यों को अनुभव का लाभ मिलना चाहिए। यहां ड्रामा नहीं, डिलीवरी होनी चाहिए। यहां जोर नीति पर होना चाहिए, नारों पर नहीं। पीएम ने इसके बाद राज्यसभा में नए सभापति सीपी राधाकृष्णन का स्वागत किया और उनके अभिवादन में स्पीच दी। इसके बाद नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सभापति का अभिवादन किया। इसके बाद नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सभापति का अभिवादन किया। खड़गे ने इस दौरान पूर्व सभापति जगदीप धनखड़ के अचानक इस्तीफे पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा...मुझे इस बात का दुख है कि सदन को पूर्व सभापति को फेयरवेल देने का मौका नहीं मिला। खड़गे की टिप्पणी पर भाजपा अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने पलटवार किया।

मेरी चिंता है कि सदन चलना चाहिए : पीएम मोदी

पीएम ने कहा...'मेरी एक चिंता रही है लंबे समय से सदन में जो पहली बार चुनकर आए हैं, या जो युवा हैं,वैसे सभी दलों के सभी सांसद बहुत परेशान हैं,उन्हें अपने सामर्थ्य का परिचय कराने का अवसर नहीं मिल रहा है और न ही अपने क्षेत्र की समस्याओं के बारे में बताने का मौका नहीं मिल रहा है। कोई भी दल हो हमें किसी को भी हमारी नई पीढ़ी के नौजवान सांसदों को,उन्हें अवसर देना चाहिए। इसलिए मेरा आग्रह रहेगा कि हम इन चीजों को गंभीरता से लें, ड्रामा करने के लिए बहुत जगह होती है, जिसे करना है करता रहे,यहां ड्रामा नहीं डिलीवरी होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि नारे के लिए पूरा देश पड़ा है,जहां हारे वहां बोल चुके और जहां हारने जा रहे हैं,वहां भी बोल लेना। यहां नारे नहीं नीति पर बात होनी चाहिए। हो सकता है कि राजनीति में नकारात्मकता कुछ काम आती होगी लेकिन राष्ट्र निर्माण की सोच भी होनी चाहिए। नकारात्मकता को मर्यादा में रखकर राष्ट्र निर्माण पर ध्यान दें।'

लोकसभा में मणिपुर गुड्स एंड सर्विस टैक्स बिल पास हुआ

लोकसभा में मणिपुर गुड्स एंड सर्विस टैक्स बिल (दूसरा संशोधन) विधेयक, 2025 बिल पास हो गया। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सदन में यह बिल पेश किया था। केंद्र ने चालू वित्त वर्ष में 41 हजार करोड़ अतिरिक्त खर्च की मंजूरी मांगी सरकार ने चालू वित्त वर्ष में 41,455 करोड़ रुपए के अतिरिक्त खर्च के लिए लोकसभा से मंजूरी मांगी है।

मुद्दों पर बात करना और उन्हें उठाना तमाशा नहीं है : प्रियंका गांधी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बयान पर कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा, 'चुनावी स्थिति, महोदय, और प्रदूषण जैसे मुद्दे बहुत बड़े हैं। आइए इन पर चर्चा करें। संसद किस लिए है? यह कोई तमाशा नहीं है। मुद्दों पर बात करना और उन्हें उठाना तमाशा नहीं है। असली तमाशा तो यह है कि जनता से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर लोकतांत्रिक चर्चा ही न होने दी जाए।

चिराग पासवान बोले- हंगामा करना लोकतंत्र के खिलाफ

सांसद और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने कहा कि 2014 में जब वे संसद आए थे, तो एक दिन का भी स्थगन होने पर उन्हें दुख होता था क्योंकि वे अपने क्षेत्र के मुद्दे नहीं उठा पाते। उन्होंने कहा कि अगर कोई केवल हंगामा करने और अपनी छवि चमकाने के लिए ऐसा करता है, तो यह लोकतंत्र के खिलाफ है। सांसदों को अपने मुद्दे उठाने के लिए संसदीय प्रक्रिया का पालन करना चाहिए।

पान मसाला पर सेस लगाने वाले दो बिल पेश किए : सीतारमण

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा में दो अहम बिल पेश किया। दोनों बिल उन उत्पादों पर नई कर व्यवस्था से जुड़े हैं, जिन पर अभी जीएसटी क्षतिपूर्ति सेस लगता है-जैसे सिगरेट, तंबाकू और पान मसाला। इसके जरिए केंद्रीय उत्पाद शुल्क एक्ट,1944 में संशोधन कर सिगरेट और तंबाकू उत्पादों पर क्षतिपूर्ति सेस खत्म होने के बाद एक्साइज ड्यूटी के जरिए राजस्व संग्रह जारी रखा जाएगा। इसे केंद्रीय उत्पाद शुल्क (संशोधन) विधेयक, 2025 नाम दिया गया है। वित्त मंत्री ने स्वास्थ्य सुरक्षा और राष्ट्रीय सुरक्षा सेस विधेयक, 2025 भी पेश किया। नया सेस उन उत्पादों पर लगेगा जिनसे राष्ट्रीय सुरक्षा और सार्वजनिक स्वास्थ्य से जुड़ा जोखिम माना जाता है। पान मसाला जैसे उत्पादों पर यह सेस लगाया जाएगा। तंबाकू और पान मसाला जैसी हानिकारक उत्पादों पर अभी 28% जीएसटी लगता है। क्षतिपूर्ति सेस खत्म होने के बाद, तंबाकू और संबंधित उत्पादों की बिक्री पर 40% जीएसटी और उत्पाद शुल्क लगेगा, जबकि पान मसाला पर 40% जीएसटी और स्वास्थ्य सुरक्षा एवं राष्ट्रीय सुरक्षा सेस भी लगेगा।

दिल्ली ब्लास्ट मामले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी का कश्मीर घाटी में करीब 10 जगह पर छापा

श्रीनगर,01 दिसम्बर 2025। राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने सोमवार को दिल्ली ब्लास्ट मामले के सिलसिले में कश्मीर घाटी में करीब 10 जगह छापा मारा है। सूत्रों ने बताया कि आतंकवाद विरोधी एजेंसी ने मौलवी इरफान अहमद वागे, डॉ. अदील, डॉ. मुज़म्मिल और आमिर राशिद के घरों समेत करीब 10 जगहों पर छापेमारी की। उन्होंने कहा कि शोपियां के नादिगाम गांव, कोइल, चंदगाम, मलंगपोरा और पुलवामा के संबूरा गांवों में छापेमारी चल रही है। उन्होंने कहा कि टीमें ऐसे सबूत ढूंढ रही हैं जो 'व्हाइट-कॉलर' मॉड्यूल और दिल्ली ब्लास्ट से जुड़े हो सकते हैं। एनआईए ने दिल्ली ब्लास्ट मामले में अब तक छह आरोपितों को गिरफ्तार किया है। 10 नवंबर को दिल्ली के ऐतिहासिक लाल किले के पास एक कार में हुए उच्च तीव्रता विस्फोट में कम से कम 15 लोग मारे गए और कई अन्य घायल हो गए थे।

ऑपरेशन सागर बंधु : श्रीलंका में 150 को बचाया,2 हजार भारतीयों को निकाला,53 टन राहत सामग्री भेजी

नई दिल्ली,01 दिसम्बर 2025। भारत ने चक्रवातीय तूफान दित्वा से आई भीषण बाढ़ और जानमाल के नुकसान का सामना कर रहे श्रीलंका को मदद के लिए तीन दिन से जारी सहायता अभियान ऑपरेशन 'सागर बंधु' में अब तक 53 टन राहत सामग्री भेजने के साथ ही विभिन्न देशों के 150 से अधिक लोगों को बचाया है। इसके अलावा खराब मौसम के कारण फंसे हुए 2 हजार से अधिक भारतीयों को स्वदेश लाया गया है। विदेश मंत्रालय ने 28 नवंबर से चल रहे ऑपरेशन 'सागर बंधु' में अब तक के राहत एवं बचाव कार्य की सोमवार को यहां जानकारी दी। भारत ने श्रीलंका में राहत एवं बचाव कार्यों के संचालन में मदद के लिए विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रांत को तैनात किया है। मंत्रालय का कहना है कि भारत जरूरत के समय में श्रीलंका की सरकार और लोगों के साथ मजबूती से खड़ा है और बचाव राहत और जल्द से जल्द सामान्य जीवन की बहाली के लिए हर संभव सहायता दे रहा है। मंत्रालय ने बताया कि बचाव कार्य में सुरक्षित निकाले गए नागरिक श्रीलंका, भारत, जर्मनी, स्लोवेनिया, ब्रिटेन, दक्षिण अफ्रीका, पोलैण्ड, बेलारूस, ईरान, ऑस्ट्रेलिया, पाकिस्तान और बांग्लादेश के थे। फंसे भारतीय नागरिकों को भी भारतीय वायुसेना के विशेष विमानों के साथ-साथ वाणिज्यिक उड़ानों के माध्यम से निकाला गया।

दिल्ली ही नहीं अब आर्थिक नगरी मुंबई भी प्रदूषण की चपेट में,ग्रैप-4 लागू

नई दिल्ली,01 दिसम्बर 2025। देश की राजधानी दिल्ली में वायु प्रदूषण की समस्या सालों से चली आ रही है, लेकिन मुंबई, बेंगलुरु, कोलकाता और चेन्नई जैसे अन्य महानगरों में कमोबेश राहत है। अब यह समस्या मुंबई में भी दिखाई देने लगी है। आर्थिक नगरी में प्रदूषण का लेवल बढ़ने और हवा खराब होने के चलते पाबंदियां लगा दी गई हैं। मुंबई में ग्रैप-4 की पाबंदियां लागू की गई हैं ताकि प्रदूषण को कंट्रोल किया जा सके। इस तरह मुंबई भी अब प्रदूषण मामले में दिल्ली की कतार में खड़ा हो गया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मुंबई के कई इलाकों की हवा खराब और अत्यंत खराब की श्रेणी में आ गई है।

बंगाल में एसआईआर के विरोध में बीएलओ का प्रदर्शन

यूपी में असिस्टेंट बीएलओ की सोते-सोते मौत,देश में अब तक 29 की जान गई...

नई दिल्ली,01 दिसम्बर 2025। देश के 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 28 अक्टूबर से स्पेशल इंटेंसिव रिविजन (एसआईआर) की प्रक्रिया जारी है। इसके लिए बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) नियुक्त किए गए हैं। हालांकि कई राज्यों में बीएलओ के सुसाइड और मौत की खबरें भी आ रहीं हैं। उत्तर प्रदेश के संभल में सोमवार को सहायक बीएलओ की सोते-सोते मौत हो गई। इससे पहले 30 नवंबर को मुरादाबाद में एसआईआर काम में लगे टीचर ने सुसाइड कर लिया था। राज्य में अब तक 8 कर्मचारियों की जान जा चुकी है। 3 ने सुसाइड, 3 की हार्ट अटैक से और एक की ब्रेन हेमरेज से मौत हुई थी। सात राज्यों में अब तक 29 बीएलओ की मौत हो चुकी है। सबसे ज्यादा मध्य प्रदेश में 9 बीएलओ की जान गई है। वहीं एसआईआर के विरोध में

सोमवार को कोलकाता में पश्चिम बंगाल के मुख्य चुनाव अधिकारी के ऑफिस के बाहर बीएलओ अधिकार रक्षा कमेटी के सदस्यों ने प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस बैरिकेड तोड़ने की कोशिश की। ठीक उसी समय बीजेपी नेता सुवेंदु अधिकारी और पार्टी के कई एमएलए चुनाव अधिकारियों के साथ तय मीटिंग के लिए वहां पहुंचे थे। वहां मौजूद बीजेपी कार्यकर्ताओं से भी प्रदर्शनकारियों की बहस हुई।

प्रदर्शनकारियों ने बीजेपी मीटिंग का विरोध किया

बीएलओ कमेटी काम के लिए बेहतर हालत की मांग को लेकर कई दिनों से विरोध कर रही है। सोमवार को आंदोलन तेज हो गया। वे मरे हुए बीएलओ के परिवारों को मुआवजा देने की मांग कर रहे हैं। कमेटी सदस्य इस बात पर अड़े रहे कि उन्हें भी ज्ञापन देने के लिए अंदर जाने दिया जाए। वहीं सुवेंदु अधिकारी ने सीईओ से मीटिंग के बाद बताया कि बीजेपी ने 17,111 बूथों का डेटा दिया है और 14 दिसंबर के बाद होने वाली सुनवाई पर सख्त नजर रखने को कहा है। उन्होंने कहा कि कमीशन के कंट्रोल रूम से लाइव सीसीटीवी निगरानी के बिना कोई भी सुनवाई नहीं होनी चाहिए। अधिकारी ने सीईओ ऑफिस के बाहर बीएलओ के विरोध को चुनाव आयोग के खिलाफ टीएमसी की लिखी स्क्रिप्ट बताया। बीजेपी नेता ने आरोप लगाया कि टीएमसी एसआईआर रोकना चाहती है ताकि अपने घुसपैठियों वाले वोट बैंक को बचा सके। जब अधिकारी बाहर निकले, तो बीएलओ प्रदर्शनकारियों ने चोर-चोर के नारे लगाए। जवाब में अधिकारी ने भी चोर-चोर दूर हटाओ, डाकू रानी दूर हटाओ जैसे नारे लगाए।

मोबाइल में देना होगा साइबर सिक्योरिटी एप

सरकार ने कंपनियों को 90 दिन की डेडलाइन दी 'संचार साथी' एप से गुम हुए 7 लाख फोन मिले

नई दिल्ली,01 दिसम्बर 2025। अब हर नए स्मार्टफोन में साइबर सिक्योरिटी एप 'संचार साथी' प्री-इन्स्टॉल (पहले से डाउनलोड) मिलेगा। केंद्र सरकार ने स्मार्टफोन कंपनियों को आदेश दिया कि वे स्मार्टफोन में सरकारी साइबर सेफ्टी एप को पहले से इंस्टॉल करके बेचें। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक,ये आदेश आज सामने आया है। इसमें एपल, सैमसंग, वीवो, ओप्पो और शाओमी जैसी मोबाइल कंपनियों को 90 दिन का समय दिया गया है। इस ऐप को यूजर्स डिलीट या डिसेबल नहीं कर सकेंगे। पुराने फोन पर सॉफ्टवेयर अपडेट के जरिए यह एप इन्स्टॉल किया जाएगा। हालांकि यह आदेश फिलहाल पब्लिक नहीं किया गया है, बल्कि चुनिंदा कंपनियों को निजी तौर पर भेजा गया है। इसका मकसद साइबर फ्रॉड, फर्जी IMEI नंबर और फोन की चोरी को रोकना है। एक सीनियर सरकारी अधिकारी ने कहा, 'यह एप फर्जी IMEI से होने वाले स्कैम और नेटवर्क मिसयूज को रोकने के लिए जरूरी है।'

सीबीआई देशभर के डिजिटल अरेस्ट केस की जांच करेगी

सुप्रीम कोर्ट का निर्देश...राज्य सरकारें जांच एजेंसी की मदद करें,कहा...ये तेजी से बढ़ता साइबर क्राइम

नई दिल्ली,01 दिसम्बर 2025। सुप्रीम कोर्ट ने सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इंवेस्टिगेशन (सीबीआई) को देशभर से सामने आए डिजिटल अरेस्ट के मामलों की पैन इंडिया जांच की जिम्मेदारी सौंपी है। सोमवार को सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने सभी राज्यों को डिजिटल अरेस्ट मामलों की जांच में सीबीआई की मदद करने के भी निर्देश दिए। सीजेआई सूर्यकांत की बेंच ने सुनवाई के दौरान कहा- डिजिटल अरेस्ट तेजी से बढ़ता साइबर क्राइम है। इसमें ठग खुद को पुलिस, कोर्ट या सरकारी एजेंसी का अधिकारी बताकर वीडियो/ऑडियो कॉल के जरिए

पीड़ितों, खासकर सीनियर सिटिजन को धमकाते हैं और उनसे पैसे वसूलते हैं। सीजेआई सूर्यकांत की बेंच ने रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया को नोटिस जारी कर पूछा कि साइबर ठगी में उपयोग हो रहे बैंक खातों को तुरंत ट्रैक और फ्रीज करने के लिए एआई और मशीन लर्निंग तकनीक का उपयोग क्यों नहीं किया जा रहा। इससे पहले 3 नवंबर की सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि डिजिटल अरेस्ट मामलों में लगभग 3 हजार करोड़ की ठगी का पता चला है। अदालत ने इसे 'आयरन हैंड' से निपटने लायक गंभीर 'राष्ट्रीय समस्या' बताया था। दरअसल, हरियाणा के अंबाला जिले में बुजुर्ग दंपति से 3 से 16 सितंबर के बीच 1.05 करोड़ रुपए की ठगी हुई थी। दंपती को सुप्रीम कोर्ट के जजों के फर्जी साइन और जांच एजेंसियों के नकली आदेश दिखाकर डिजिटल अरेस्ट किया गया था। पीड़ित ने 21 सितंबर को सीजेआई बीआर गवई (पूर्व सीजेआई) को चिट्ठी लिखकर पूरी बात बताई थी। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने मामले में खुद से एक्शन लिया था।

फुटवियर व्यवसाय के विस्तार से छात्र बनेंगे उद्यमी : राष्ट्रपति मुर्मु

नई दिल्ली,01 दिसम्बर 2025। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने सोमवार को कहा कि वैश्विक बाज़ार में पैठ मजबूत करने के लिए फुटवियर व्यवसाय का विस्तार जरूरी है, जो सीधे छात्रों के लिए उद्यमिता और बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन का मार्ग प्रशस्त करेगा। मुर्मु ने नई दिल्ली में फुटवियर डिज़ाइन एवं विकास संस्थान (एफडीडीआई) के दीक्षांत समारोह में यह बात कही। उन्होंने कहा,आज भारत तेजी से आत्मनिर्भर बन रहा है तथा वैश्विक आर्थिक मंच पर अपनी आर्थिक भूमिका का और अधिक विस्तार करने में सक्षम है। राष्ट्रपति ने बताया कि देश फुटवियर उत्पादन और खपत के मामले में

दुनिया में दूसरे स्थान पर है। वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान, भारत का फुटवियर निर्यात 250 करोड़ डॉलर से थोड़ा अधिक था जबकि हमारा आयात लगभग 68 करोड़ डॉलर था। इस प्रकार भारत का फुटवियर निर्यात आयात से लगभग चार गुना है। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया में फुटवियर का एक प्रमुख निर्यातक है लेकिन निर्यात को और बढ़ाने के लिए फुटवियर कारोबार का विस्तार करने की आवश्यकता है। राष्ट्रपति ने एफडीडीआई और यूनिवर्सिटी ऑफ नॉर्थम्प्टन के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर होने पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि यह भारत और ब्रिटेन के बीच मुक्त व्यापार समझौते के तहत हमारे सहयोग के गहराने का एक और आयाम है। उन्होंने रेखांकित किया कि इस समझौता ज्ञापन में टिकाऊ सामग्री और चक्रीय अर्थव्यवस्था की पद्धतियों पर विशेष जोर दिया गया है, जो दोनों देशों की पर्यावरण संरक्षण के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। राष्ट्रपति ने छात्रों को प्रेरित करते हुए कहा कि उनका काम केवल डिज़ाइन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह देश और समाज के लिए बहुआयामी होना चाहिए। उन्होंने जोर दिया कि वे अपने फुटवियर डिजाइन को स्वास्थ्य और आजीविका का माध्यम बनाएं।

कमर्शियल सिलेंडर 10 रुपये हुआ सस्ता,नई दरें लागू

नई दिल्ली,01 दिसम्बर 2025। साल के आखिरी महीने के पहले दिन राहत देने वाली खबर है। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत में 10 रुपये तक की कटौती की है। हालांकि, घरेलू रसोई गैस के दाम में कोई बदलाव नहीं किया गया है। कमर्शियल गैस की नई दरें सोमवार से प्रभावी हो गई हैं। इंडियन ऑयल की वेबसाइट के

मुताबिक, कमर्शियल गैस के दाम में इस कटौती के साथ ही नई दिल्ली में अब 19 किलोग्राम के सिलेंडर की कीमत घटकर 1580.50 रुपये हो गई है, जो पहले 1590.50 रुपये प्रति सिलेंडर थी। कोलकाता में अब कमर्शियल गैस सिलेंडर 1694 रुपये से घटकर 1684 रुपये में मिलेगा। वहीं, मुंबई में इसकी कीमत 1542 रुपये से घटकर 1531.50 रुपये पर पहुंच गई है, जबकि चेन्नई में कमर्शियल सिलेंडर के दाम 1750 रुपये से कम होकर 1739.50 रुपये हो गई है।

संपादकीय

बहस हो,हंगामा नहीं...

शीतकालीन सत्र के बीच रखना चाहिए ध्यान

संसद का शीतकालीन सत्र आज से शुरू हो गया है और विपक्ष ने अपने मुद्दे साफ कर दिए हैं। मॉनसून सेशन अगर ऑपरेशन सिंदूर के नाम था, तो इस बार बहस के केंद्र में एसआईआर है। लेकिन, सरकार और विपक्ष - दोनों से ही सदन के भीतर ज्यादा समझदारी, संयम और सहयोग की अपेक्षा है, ताकि सत्र में अधिक काम हो सके।

शीत सत्र एक से 19 दिसंबर तक चलना है। इसमें कुल 15 दिन कार्यवाही चलेगी और इस दौरान शिक्षा,सड़क और कॉरपोरेट लॉ संबंधी कई अहम बिल पेश किए जाएंगे। इसी सत्र में हेल्थ सिक्यॉरिटी एंड नैशनल सिक्यॉरिटी सेस बिल, 2025 भी रखा जा सकता है,जिसका मकसद देश के हेल्थ इन्फ्रास्ट्रक्चर और सुरक्षा तैयारियों के लिए एक नया उपकर लगाना है। सारे ही बिल-प्रस्ताव महत्वपूर्ण हैं और इन पर सार्थक बहस की जरूरत है।

इसके साथ विपक्ष की भी अपनी मांगें हैं, जिसे सर्वदलीय बैठक में रखा गया। विपक्ष राष्ट्रीय सुरक्षा, एसआईआर वायु प्रदूषण और विदेश नीति पर विस्तृत चर्चा चाहता है। अच्छी बात है कि विपक्षी दलों ने इस बारे में पहले ही अवगत करा दिया है और संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू के ही मुताबिक, किसी ने भी यह नहीं कहा कि संसद नहीं चलने दी जाएगी। सरकार और विपक्ष, दोनों का इस पर सहमत होना कि सदन चलना चाहिए,स्वागत योग्य है।

सहमति हर बार सेशन शुरू होने से पहले सर्वदलीय बैठकों में दिखती है और कार्यवाही शुरू होने के बाद राजनीति हावी हो जाती है। बीता हुआ मॉनसून सत्र इसका उदाहरण है, जब लोकसभा की प्रॉडक्टिविटी महज 31 प्रतिशत के आसपास और राज्यसभा की लगभग 39 प्रतिशत रही। हंगामे और शोर-शराबे की वजह से दोनों सदनों में कई महत्वपूर्ण घंटे बर्बाद हो गए थे।

इस बार भी सदन के बाहर की सियासी स्थिति तनाव भरी है। 12 राज्यों में हो रहे स्पेशल इनटेंसिव रिवीजन को लेकर विपक्ष की आपत्तियों की लिस्ट लंबी है। वह लगातार इस प्रक्रिया के औचित्य और पारदर्शिता पर सवाल उठा रहा है। इसे लेकर दोनों सदनों में भी भिड़ंत देखने को मिल सकती है,लेकिन यह दोनों पक्षों को समझना होगा कि हंगामेबाजी से किसी सवाल के जवाब नहीं मिलेंगे। सदन को चलाने की जिम्मेदारी सरकार की होती है, विपक्ष का काम ही है सरकार को घेरना और सवाल उठाना। लेकिन,दोनों को सदन की मर्यादा और कार्यवाही की अहमियत को ध्यान में रखना होगा। अगर देश के जनप्रतिनिधि पिछले सत्र से सबक लेकर आगे बढ़ते हैं,तो इससे अच्छा कुछ नहीं होगा।

दिव्यांग लोगों के बारे में बढ़ानी होगी जागरूकता

समाज में दिव्यांगता को एक सामाजिक कलंक के रूप में देखा जाता है। जिसे सुधारने की आवश्यकता है। विश्व विकलांग दिवस पर इस वर्ष का विषय है सामाजिक प्रगति को आगे बढ़ाने के लिए विकलांगता समावेशी समाजों को बढ़ावा देना।

रमेश सर्राफ धमोरा
झुंझुनू,राजस्थान

विकलांग व्यक्तियों को अपने भाग्य को आकार देने और समाज में योगदान देने में अग्रणी भूमिका निभाने के लिए सशक्त बनाने के महत्व को रेखांकित करता है। संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 1992 में हर वर्ष 3 दिसम्बर को अंतराष्ट्रीय विकलांग दिवस के रूप में मनाने घोषणा की गयी। सरकार द्वारा देश में दिव्यांगो के लिए कई नीतियां बनायी गयी है। उन्हें सरकारी नौकरियों, अस्पताल, रेल,बस सभी जगह आरक्षण प्राप्त है। दिव्यांगो के लिए सरकार ने पेशन की योजना भी चला रखी है। लेकिन ये सभी सरकारी योजनाएं उन दिव्यांगो के लिए महज एक मजाक बनकर रह गयी हैं। जब इनके पास इन सुविधाओं को हासिल करने के लिए दिव्यांगता का प्रमाणपत्र ही नहीं है। इसको मानाने का उद्देश्य समाज के सभी क्षेत्रों में दिव्यांग व्यक्तियों के अधिकारों को बढ़ावा देना और राजनीतिक, सामाजिक,आर्थिक और सांस्कृतिक जीवन में दिव्यांग लोगों के बारे में जागरूकता बढ़ाना था। मगर आज भी लोगों को तो इस बात का भी पता ही नहीं होता है कि हमारे आस-पास कितने दिव्यांग रहतें हैं। उन्हे समाज में बराबरी का अधिकार मिल रहा है कि नहीं। किसी को इस बात की कोई फिकर नहीं हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था कि शारीरिक रूप से अशक्त लोगों के पास एक 'दिव्य क्षमता' है और उनके लिए 'विकलांग' शब्द की जगह दिव्यांगशब्द का इस्तेमाल किया जाना चाहिए। प्रधानमंत्री ने विकलांगों को दिव्यांग कहने की अपील की थी। जिसके पीछे उनका तर्क था कि शरीर के किसी अंग से लाचार व्यक्तियों में ईश्वर प्रदत्त कुछ खास

विशेषताएं होती हैं। विकलांग शब्द उन्हे हतोत्साहित करता है। प्रधानमंत्री मोदी के आह्वान पर देश के लोगों ने विकलांगो को दिव्यांग तो कहना शुरू कर दिया लेकिन लोगों का उनके प्रति नजरिया आज भी नहीं बदल पाया है। आज भी समाज के लोगों द्वारा दिव्यांगों को दयनीय दृष्टि से ही देखा जाता है। भले ही देश में अनेको दिव्यांगों ने विभिन्न क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया हो मगर लोगों का उनके प्रति वहीं पुराना नजरिया बरकरार है।

दुनिया में अनेकों ऐसे उदाहरण मिलेंगे जो बताते है कि सही राह मिल जाये तो अभाव एक विशेषता बनकर सबको चमत्कृत कर देती है। भारत में दिव्यांगो की मदद के लिए बहुत सी सरकारी योजनाएं संचालित हो रही हैं। लेकिन इतने वर्षो बाद भी देश में आज तक आधे दिव्यांगो को ही दिव्यांगता प्रमाण पत्र मुहैया कराया जा सका है। ऐसे में दिव्यांगो के लिए सरकारी सुविधाएं हासिल करना महज मजाक बनकर रह गया हैं। दुनिया में बहुत से ऐसे दिव्यांग हुए हैं जिन्होंने अपने साहस संकल्प और उत्साह से विश्व के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में अपना नाम लिखवाया है। शक्तिशाली शासक तैमूर लंग हाथ और पैर से शक्तिहीन था। मेवो के राणा सांगा तो बचपन में ही एक आंख गवाने तथा युद्ध में एक हाथ एक पैर तथा 80 घावों के बावजूद कई युद्धों में विजेता रहे थे। सिख राज्य की स्थापना करने वाले महाराजा रणजीत सिंह की एक आंख बचपन से ही खराब थी। सुप्रसिद्ध नृत्यांगना सुधा चंद्रन के दाई टांग नहीं थी। फिल्मी गीतकार कृष्ण चंद्र डे तथा संगीतकार रविंद्र जैन देख नहीं सकते थे। पूर्व क्रिकेटर अंजन भट्टाचार्य मूकबधिर थे। वर्ल्ड पैरा चैम्पियनशिप खेलों में झुंझुनू जिले के दिव्यांग खिलाड़ी संदीप कुमार व जयपुर के सुन्दर गुर्जर ने भाला फेंक प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीत कर भारत का मान बढ़ाया है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एन एफ एच एस-5) के पांचवें दौर का पहला चरण 2019-20 में आयोजित किया गया था। एनएफएचएस जनसंख्या, परिवार नियोजन,बाल और मातृ स्वास्थ्य,पोषण,वयस्क स्वास्थ्य और घरेलू हिंसा से संबंधित प्रमुख संकेतकों पर अनुमान प्रदान करता है। एनएफएचएस-5 सर्वेक्षण से एकत्र किए गए द्वितीयक डेटा के भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद प्रकाशन के विश्लेषण के अनुसार भारत में विकलांग लोगों की कुल व्यापकता जनसंख्या का 4.52 प्रतिशत है। भारत विकलांग व्यक्तियों के अधिकारों पर संयुक्त राष्ट्रकन्वेंशन का एक पक्ष है। यह डेटा दर्शाता है कि भारत में लगभग 6 करोड़ 32 लाख 80 हजार लोग किसी न किसी प्रकार की विकलांगता के साथ जीवन यापन करते हैं। लोकोमोटर (गतिशील) विकलांगता सभी विकलांगताओं में सबसे आम है, इसके बाद मानसिक और वाक् (बोलने से संबंधित) विकलांगताएँ हैं।

यह एक के वी सच्चाई है कि भारत में दिव्यांग आज भी अपनी जरूरतों के लिए दूसरों पर आश्रित है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के एक अनुमान के अनुसार विश्व स्तर पर 15 प्रतिशत आबादी किसी न किसी प्रकार की विकलांगता के साथ रहती है। जबकि उसमें से 80 प्रतिशत से अधिक लोग निम्न और मध्यम आय वाले देशों में रहते हैं। जबकि भारत में 140 करो से अधिक लोग है। इस आबादी का 2.2 प्रतिशत से अधिक लोग किसी न किसी रूप में गंभीर मानसिक या शारीरिक विकलांगता से पीड़ित हैं। आज के प्रगतिशील युग में जहाँ सभी लोगों के एकीकरण और समावेशन पर सतत विकास के प्रवेश द्वार के रूप में जोर दिया जाता है।

न्याय का टेंट और चमकीला कंबल

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा उरतृप्त

हमारे शहर में एक व्यवस्था नाम की चीज़ है। दिखती नहीं,पर सब जगह महसूस होती है। यह व्यवस्था ठीक वैसी है, जैसे किसी बत्ती बुझे कमरे में जलता हुआ एक पुराना दिया–रोशनी से ज़्यादा धुआँ और कालिख। इस व्यवस्था को चलाने वाले महाजन,जिन्हें हम सिस्टम के सेवक कहते हैं,वे हर गली-कूचे में इस तरह घूमते हैं, जैसे कोई आवारा कुत्ता हड्डी सूंघ रहा हो। वे हड्डी नहीं, आदमी की मजबूरी सूंघते हैं। हमारे मोहल्ले का दयाराम इसका जीता-जागता उदाहरण है। दयाराम का काम है...गरीबों को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलवाना। लाभ की परिभाषा यह है कि अगर योजना सौ रुपए की है,तो दयाराम पहले अस्सी रुपए वसूल लेता है,फिर बीस रुपए का चेक कटवाकर फोटो खिंचवाता है। और जब कोई गरीब गिड़गिड़ाता है,तो दयाराम ठंडी आह भरकर कहता है,अरे भाई,मैं तो बस कड़ी हूँ! ऊपर का सिस्टम तो चमकीले कंबल में लिपटा है,उसे कौन हटाएगा?चमकीला कंबल,यानी रिश्वतखोरी, जिससे न गर्मी लगती है,न शर्म। इस कंबल की चमक ही लोगों की आँखों में धूल झोंक देती है। पिछली सर्दी की बात है। सरकार ने गरीबों को कंबल बांटने की योजना निकाली। कंबल थे तो ऊन के,पर प्रचार ऐसा किया गया,मानो साक्षात स्वर्ग से उतरे हों। दयाराम ने इस योजना का इतना प्रचार किया कि मोहल्ले के धर्मवीर ने अपनी चारपाई बेचकर कंबल के लिए आवेदन कर दिया। धर्मवीर, जो बरसों से ईमानदारी की सूखी रोटी खा रहा था, उसे लगा, शायद अब व्यवस्था सचमुच सुधर गई है। पर यह क्या! कंबल लेने के लिए एक बड़ा-सा टेंट लगाया गया। टेंट के अंदर का माहौल किसी सरकारी दफ्तर से कम नहीं था। वहाँ सेवा शुल्क नाम की एक नई रिश्वत का जन्म हुआ। धर्मवीर जब काउंटर पर पहुँचा, तो सेवक ने उससे टेंट के किराए के नाम पर पचास रुपए मांगे। धर्मवीर ने जब आपत्ति की, तो सेवक ने आँखें मटकाकर कहा, भाई, ईमानदारी का विज्ञापन भी तो छापना पड़ता है! यह पचास रुपए उसी विज्ञापन का खर्च है। यह सुनकर धर्मवीर का कलेजा बैठ गया। उसे लगा,यह टेंट गरीबों के लिए नहीं,बल्कि उनकी पीड़ा को एक रंगीन मंच देने के लिए लगाया गया है। धर्मवीर ने जैसे-तैसे पचास रुपए दिए,पर उसे कंबल नहीं मिला। सेवक ने कहा, आपका फोटो अभी मंत्री के साथ नहीं खींचा गया है। अगले दिन मंत्री जी पधारे। आते ही मंच पर चढ़कर उन्होंने गरीबी उन्मूलन पर पाँच मिनट का ओजस्वी भाषण दिया। भाषण का सार यह था कि देश में गरीबी नहीं है, बस असुविधाएँ हैं, जिन्हें वे पाँच साल में दूर कर देंगे। धर्मवीर को मंच के नीचे खड़े होकर मंत्री जी के नकली हाथ जोड़ने का दृश्य देखना पड़ा। जब मंत्री जी फोटो खिंचवाने के लिए धर्मवीर के पास आए,तो उन्होंने कंबल धर्मवीर के कंधे पर नहीं रखा, बल्कि उसे हवा में पकड़ा और कैमरामैन से कहा, बस एक शानदार पीड़ादाई शॉट आना चाहिए,जिसमें गरीब की आँख में उम्मीद हो और मेरे चेहरे पर त्याग की भावना! यह सब एक नाटक था। एक ऐसा क्रूर नाटक,जहाँ गरीबी पात्र है, सिस्टम निर्देशक है,और नेता हीरो। जनता दर्शक नहीं,बल्कि मूर्ख बनी हुई है।मंत्री जी गए,फोटो छप गया। लेकिन कंबल धर्मवीर को नहीं मिला। सेवक ने बताया, कंबल स्टॉक में नहीं है,बाद में मिलेगा। बाद यानी कब? अगले चुनाव से पहले, शायद। धर्मवीर ने घर आकर अपनी पुरानी टूटी चारपाई के बचे हुए लकड़ी के टुकड़ों को देखा और उन पर पड़े धूल के गुबार को महसूस किया। उसे समझ आ गया कि यह चमकीला कंबल वास्तव में रिश्वत का, भ्रष्टाचार का,और खोखले वादों का एक भारी-भरकम बोझ है, जिसे व्यवस्था ने गरीबों के मत्थे मढ़ दिया है। यह कंबल गरीबों को गर्मी नहीं देता, सिर्फ दिखावे की ठंड देता है। धर्मवीर की आँखों से बहते आँसू उसकी बरसों की ईमानदारी का प्रमाण थे,जो आज सिस्टम के पैरों तले रौंदी जा चुकी थी। वह चिल्लाया नहीं, सिर्फ भीतर ही भीतर टूट गया। यही है हमारे समाज का अंतिम सत्य- यहाँ पीड़ा बेची जाती है, और न्याय का टेंट सिर्फ प्रचार का अड्डा है। और वह चमकीला कंबल...वह तो बस गरीब की बेबसी को छुपाने वाला सरकारी पर्दा है।

कविता

पानी बनो

प्रोफेसर शाम लाल कौशल
रोहतक(हरियाणा)

पानी बनकर किसी की प्यास बुझाओ
चप्पू बनकर किसी की नाव चलाओ।
नायक बनकर किसी को राह दिखाओ
मकान बनाकर किसी का घर बसाओ।
अनाज बनकर किसी की भूख मिटाओ
कर्म बनकर किसी के अच्छे फल दिखाओ।
दुआ बनकर किसी का दिल सहलाओ
चांद बनकर रातों को रोशन कर जाओ।
नदिया बनकर किसी को पार लगाओ
श्री कृष्ण बनकर गीता उपदेश सुनाओ।
शहद की मक्खी बनकर मिठास बनाओ
कीड़ी बनकर मेहनत करना सिखाओ।
गाय बनकर घास खा मीठा दूध पिलाओ
वृक्ष बनकर पर्यावरण बचाना सिखाओ।
कुत्ते की तरह वफादारी का पाठ पढ़ाओ।
दमकल की तरह अहंकार की आग बुझाओ
तोते की तरह लोगों को राम का नाम रटाओ।
एकलव्य बनकर समर्पित गुरु भक्ति सिखाओ
दूध और पानी की तरह एक हो जाना बताओ।
श्रवण की तरह मां बाप की सेवा करके दिखाओ
मुसीबत में दुखियों की सहायता करके दिखाओ।

दादा जी

प्रिया देवांगन प्रियू
राजिम गरियाबंद छत्तीसगढ़

ठंडी से परेशान,हमारे दादा जी।
रखते ढँक कर कान,हमारे दादा जी।।
सुलगा दो न आग,बोले दादी को।
जल्दी जाते जाग,हमारे दादा जी।।

कसरत प्राणायाम,मजे से करते थे।
करे नहीं आराम,हमारे दादा जी।।
कुड़कुड़ काँपे हाथ,देह सर्दी जकड़े।
पकड़े बैठे माथ,हमारे दादा जी।।

कभी जमाते रौब,पूरे घर पर भी।
कभी दिखाते आँख,हमारे दादा जी।।
मूँछें पर दे ताव,अकड़ कर चलते थे।
घूमे पूरा गाँव,हमारे दादा जी।।

छींक-छींक परेशान,बहुत है जाड़ा में।
कैसे बचाएँ प्राण,हमारे दादा जी।।
करते सब को प्यार,जताते कभी नहीं।
हो गए अस्सी पार,हमारे दादा जी।।

सर्दियों का ठंडा और सूखा मौसम त्वचा को रूखा,फ़टा और बेजान बना देता है...

डॉ.मुश्ताक़ अहमद शाह

सर्दियों का ठंडा और सूखा मौसम त्वचा को रूखा, फ़टा और बेजान बना देता है क्योंकि ठंडी हवा नमी चुरा लेती है, हीटर हवा को और शुष्क करते हैं तथा गर्म पानी नहाने से प्राकृतिक तेल नष्ट हो जाते हैं, इसलिए बाहर निकलते समय गर्म दस्ताने, मफ़लर और मोटे कपड़े पहनें जो त्वचा को ठंडी हवा से बचाएं,घर में ह्यूमिडिफायर चलाएं,(ह्यूमिडिफायर एक ऐसा विद्युत उपकरण है जो कमरे या घर की हवा में नमी की मात्रा बढ़ाता है,विशेष रूप से शुष्क मौसम में। यह पानी को भाप या महीन धुंध के रूप में वाष्पीकृत करके हवा में फैलाता है, जिससे वातावरण नम और आरामदायक बनता है।) ताकि हवा में नमी बनी रहे और त्वचा सूखने से बची रहे,घरेलू नुस्खे जो त्वचा को चमकदार बनाएं,नहाने के तुरंत बाद नारियल, बादाम या जैतून तेल से मालिश करें जो नमी लॉक करे,रात को एलोवेरा-गुलाब जल या शहद-अदरक पैक लगाएं,शहद को एलोवेरा जेल में मिलाकर 15-20 मिनट रखें फिर गुनगुने पानी से धो लें। सप्ताह में दो बार दूध-बादाम पेस्ट या जई का दलिया-नाशपाती का गूदा मास्क आजमाएं जो दाग-धब्बे मिटाए और मुलायम बनाए,होंठों पर शहद-ग्लिसरीन लिप बाम लगाएं तथा हाथ-पैरों के लिए प्याज का रस-शहद मिश्रण उपयोगी है,दैनिक रूटीन और सुरक्षा टिप्स अपनाएं,गुनगुने पानी से नहाएं, साबुन कम करें, तुरंत गाढ़ा मॉइस्चराइजर लगाएं,दिन में हल्का सनस्क्रीन लगाना न भूलें न क्योंकि अल्ट्रा वॉयलेट किरणें सर्दियों में भी नुकसान पहुंचाती हैं। संवेदनशील त्वचा वालों के लिए सुगंधरहित उत्पाद चुनें,खानपान व सुबह की धूप से अंदरूनी पोषण,का लाभ उठाएं,सुबह 15-20 मिनट धूप लें,विटामिन डी त्वचा मजबूत करेगा, 8-10 गिलास पानी पिएं, संतरा-खीरा जैसे जलयुक्त फल खाएं। अखरोट, बादाम,अलसी बीज,व हर्बल टी से त्वचा अंदर से हाइड्रेट रहेगी,इनसे रूखापन भागेगा और चमक आएगी

संसद को बाधित करना राष्ट्र को बाधित करना है...

ललित गर्ग
पटपड़गंज, दिल्ली-92

भारत की संसद का शीतकालीन सत्र 1 दिसंबर से आरंभ हो रहा है और इसके प्रारंभ होने से पहले हुई सर्वदलीय बैठक में विपक्ष ने आने वाले दिनों में संसद की कार्रवाई के हंगामेदार होने का संकेत देने में देर नहीं लगाई। विपक्ष ने स्पष्ट कर दिया है कि वह एस.आई.आर. सहित कई मुद्दों पर जोरदार ढंग से सदन में अपनी आवाज उठाएगा। विपक्ष संसद में सवाल उठाए,आवाज उठाए,यह उसका संवैधानिक अधिकार और कर्तव्य है,लेकिन मुद्दा यह है कि क्या यह अधिकार सार्थक बहस के रूप में सामने आएगा या एक बार फिर हंगामे की भेंट चढ़कर भारत के लोकतंत्र को शर्मसार करेगा। मॉनसून सेशन अगर ऑपरेशन सिंदूर के नाम था, तो इस बार बहस के केंद्र में एस.आई.आर. है। लेकिन, सरकार और विपक्ष-दोनों से ही सदन के भीतर ज्यादा समझदारी, संयम,शालीनता और सहयोग की अपेक्षा है,ताकि सत्र में अधिक काम हो सके। शीतकालीन क19 दिसंबर तक चलना है। इसमें कुल 15 दिन कार्यवाही चलेगी और इस दौरान शिक्षा, सड़क और कॉरपोरेट लॉ संबंधी कई अहम बिल पेश किए जाएंगे। इसी सत्र में हेल्थ सिक्यॉरिटी एंड नैशनल सिक्यॉरिटी सेस बिल, 2025 भी रखा जा सकता है,जिसका मकसद देश के हेल्थ इन्फ्रास्ट्रक्चर और सुरक्षा तैयारियों के लिए एक नया उपकर लगाना है। सारे ही बिल-प्रस्ताव महत्वपूर्ण हैं और इन पर सार्थक बहस की जरूरत है।निश्चित दौर पर पिछले अनेक वर्षो से संसद की कार्रवाई हंगामे, शोर-शराबे,नारेबाजी की भेंट चे ती रही है। पिछला सत्र इस संदर्भ में बेहद निराशाजनक रहा। वेल में आकर नारेबाजी, कुर्सियां ठोकने,प्लेकार्ड दिखाने और लगातार स्थगन जैसे दृश्य दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के लिए एक दुर्भाग्यपूर्ण तस्वीर पेश करते रहे। वह सत्र देश के संसदीय इतिहास के सबसे कमजोर प्रदर्शन वाले सत्रों में गिना गया,जब लोकसभा की प्रॉडक्टिविटी महज 31 प्रतिशत के आसपास और राज्यसभा की लगभग 39 प्रतिशत रही। हंगामे और शोर-शराबे की वजह से दोनों सदनों में कई महत्वपूर्ण घंटे बर्बाद हो गए थे। सवाल यह है कि आखिर यह परंपरा कब बदलेगी? कब हमारे जनप्रतिनिधि समझेंगे कि संसद का एक-एक मिनट देश के करो ों लोगों की गाढ़ी कमाई से चलता है? एक मिनट का व्यर्थ खर्च लोकतंत्र की आत्मा को चोट पहुंचाता है। संसद केवल बहस का मंच नहीं बल्कि देश की नीतियों, कानूनों और विकास-दिशा को तय करने वाला सर्वोच्च स्थल है। लोकतंत्र की सफलता का मूलमंत्र जनता द्वारा चुनकर भेजे गए प्रतिनिधियों की सजगता, जवाबदेही और गरिमा है। इसलिए संसद का हर क्षण अर्थपूर्ण,

कार्यकारी होना चाहिए,हर चर्चा राष्ट्रीय हित को आगे बढ़ाने वाली होनी चाहिए और हर बहस शालीनता तथा परिपक्वता की कसौटी पर खरी उतरनी चाहिए।

सत्र को सुचारु रूप से चलाने के लिये सरकार की ओर से सर्वदलीय बैठक आयोजित करना एक स्वस्थ एवं सौहार्दपूर्ण परम्परा एवं एक आशा की किरण है। इस बार भी सत्र शुरू होने से पहले 36 दलों का एक साथ बैठक करना एक अच्छी शुरुआत है। यह बैठक केवल औपचारिकता नहीं बल्कि संवाद और सहयोग की दिशा में एक सार्थक पहल है। देश यह उम्मीद कर सकता है कि यदि सदन का संचालन भी इसी सकारात्मक भावभूमि पर हुआ तो यह सत्र एक आदर्श परंपरा स्थापित कर सकता है। लोकतंत्र में मतभेद होना स्वाभाविक है, परंतु मनभेद अनिवार्य नहीं। संसद उन मनभेदों को संवाद में बदलने का पवित्र स्थान है। निश्चित ही विपक्ष की भी अपनी मांगें हैं, जिसे सर्वदलीय बैठक में रखा गया। विपक्ष राष्ट्रीय सुरक्षा, एसआईआर, वायु प्रदूषण और विदेश नीति पर विस्तृत चर्चा चाहता है। अच्छी बात है कि विपक्षी दलों ने इस बारे में पहले ही अवगत करा दिया है और संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू के ही मुताबिक,किसी ने भी यह नहीं कहा कि संसद नहीं चलने दी जाएगी। सरकार और विपक्ष, दोनों का इस पर सहमत होना कि सदन चलना चाहिए, स्वागत योग्य है।

इस सत्र से सरकार 14 महत्त्वपूर्ण विधेयक पेश करने जा रही है। इन विधेयकों को पारित करवाना मात्र सरकार की जिम्मेदारी नहीं है,यह विपक्ष की भी उतनी ही बड़ी भूमिका है कि वह रचनात्मक सुझाव दे, आवश्यक संशोधन का आग्रह करे और राष्ट्रहित सर्वोपरि रखते हुए संवाद के माध्यम से कानूनों को दिशा दे। लोकतंत्र में सत्ता और विपक्ष दोनों दो पहिये हैं,एक पहिया चिटक जाए तो रथ आगे नहीं बढ़ता। आज आवश्यकता इस बात की है कि संसद में एक नई लकीर खींची जाए-शालीनता की,संवैधानिक मर्यादाओं की, तर्कसंगत बहस की और राष्ट्रीय हित की। दुनिया भर के लोकतंत्रों में बहसें गरम होती हैं, लेकिन गरिमा नहीं टूटती। भारत में भी यह संस्कृति विकसित होनी चाहिए। विपक्ष का काम सरकार को कठघरे में खड़ा करना है, लेकिन वह हंगामे से नहीं बल्कि तथ्यपूर्ण तर्कों से हो। सवाल उठाने का अधिकार तभी सार्थक है जब उसके साथ उत्तर सुनने की तैयारी भी हो। पिछले कुछ सत्रों में यह प्रवृत्ति बड़ी है कि विपक्ष प्रश्न पूछता है लेकिन उत्तर सुनने का अवसर ही नहीं देता। यह लोकतंत्र की आत्मा का हनन है। संसद सिर्फ आवाज बुलंद करने का मंच नहीं, वह सुनने,समझने और समाधान खोजने का माध्यम है। दुर्भाग्य से, पिछले कुछ वर्षों में यह मंच पक्ष और विपक्ष की राजनीतिक लड़ाइयों का अखाड़ा बनता जा रहा है। इसमें कोई दो राय नहीं कि सरकार को भी विपक्ष के सवालों का सम्मानपूर्वक जवाब देना चाहिए, लेकिन विपक्ष को भी यह समझना होगा कि राजनीति निरंतर संघर्ष का नाम नहीं बल्कि संवाद की प्रक्रिया है। देश की जनता बेहद उम्मीदों के साथ इस सत्र को देख रही है। महंगाई,रोजगार,सुरक्षा, विदेश नीति,सामाजिक सौहार्द, अर्थव्यवस्था,कृषि,शिक्षा और न्याय-ये सभी गंभीर मुद्दे हैं। जनता चाहती है कि उसके चुने हुए प्रतिनिधि इन मुद्दों पर ठोस बहस करें। यदि संसद हंगामों का अखाड़ा बन जाए,तो इन मुद्दों का समाधान कैसे निकलेगा? लोकतंत्र का वास्तविक मूल्य कानून में नहीं बल्कि उसके निर्बाध संचालन में है,यदि संचालन त्रुटिपूर्ण हो जाए,तो कानून भी अर्थहीन हो जाता है। संसद की गरिमा देश की गरिमा है। सांसद केवल राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि नहीं, बल्कि राष्ट्र की आत्मा के वाहक हैं। उनकी भाषा,उनका आचरण और उनकी बहसें भविष्य की राजनीति का मार्ग तय करती हैं। यह चिंता का विषय है कि आज युवा पीढ़ी संसद के व्यवहार को लोकतंत्र का आदर्श नहीं, बल्कि अव्यवस्था का प्रतीक मानने लगी है।

सूचना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।
-सम्पादक

केन्द्र सरकार विपक्षी नेताओं को बदनाम करने के उद्देश्य से करा रही कार्रवाई : बालकृष्ण पाठक

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,01 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।
दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा द्वारा कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं सांसद सोनिया गांधी,मल्लिकार्जुन खडगे एवं राहुल गांधी के विरुद्ध नेशनल हेराल्ड केस में अपराध दर्ज करने को लेकर सोमवार को जिला कांग्रेस कमेटी सरगुजा द्वारा जिलाध्यक्ष बालकृष्ण पाठक के नेतृत्व में प्रधानमंत्री, गृहमंत्री, ईडी और ईओडब्लू का सामूहिक पुतला दहन किया। नेशनल हेराल्ड केस में कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं के विरुद्ध इस कारवाई के विरोध में प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने आज प्रदेश स्तर पर पुतला दहन का कार्यक्रम रखा था। इसी के तहत आज जिला कांग्रेस कमेटी सरगुजा के द्वारा पुतला दहन किया गया। नेशनल हेराल्ड केस के मामले में जांच के बाद सीबीआई ने पूर्व में ही केस बंद कर दिया था। इसके बाद सरकार ने यह मामला ईडी को सौंप दिया था। जांच के नाम पर इस मामले को लंबे समय तक लटकाने के बाद कुछ माह पूर्व ईडी ने इस मामले में दिल्ली की राईज एवेन्यू स्थित ईडी कोर्ट में आरोपपत्र दाखिल किया था। किंतु इस मामले में कोर्ट की कारवाई से मामला उल्टा पडने की संभावना पर ईडी ने दिल्ली पुलिस की

आर्थिक अपराध शाखा में एफआईआर दर्ज करवा दिया है। कांग्रेस जिलाध्यक्ष बालकृष्ण पाठक ने कहा कि यह कारवाई राजनैतिक दुर्भावनावश की गई है। केन्द्र की भाजपा सरकार जांच एजेंसियों का उपयोग अपने अनुचर के रुप में करकर विपक्षी नेताओं को बदनाम करने के उद्देश्य से कर रही है। नेशनल हेराल्ड केस कोई मामला नहीं है। कांग्रेस ने स्वतंत्रता आन्दोलन से जुडे इस अखबार को आर्थिक संकट से निकाला है। अदानी अंबानी के लाखो करोड के कर्जो को माफ करने वाले इस पवित्र काम के लिये कांग्रेस को घेर रहे हैं। सच्चाई यह है कि वोट चोरी, एसआईआर, महंगाई बेरोजगारी जैसे मामलो से ध्यान बंटाने के लिये सरकार उस परिवार को लक्ष्य कर रही है जिसने देशसेवा के लिये अपने प्राणों की आहूति दी है। कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने आज हुए पुतला दहन कार्यक्रम की जवाबदेही एनएसयूआई को सौंपी थी। सफल कार्यक्रम के लिये उन्होंने एसएसयूआई अध्यक्ष आशीष जायसवाल सहित उनकी टीम को बधाई दिया है। इस दौरान पीसीसी महामंत्री द्वितेन्द्र मिश्रा,हेमंत सिन्हा, रामविनय सिंह, जगन्नाथ कुशवाहा, हेमंत सिन्हा, एपी सांडिल्य,इन्द्रजीत धंजल, संजय सिंह, अनूप मेहता,गुरुप्रीत सिद्धू, नरेन्द्र विश्वकर्मा, जमील खान,लोकेश कुमार, अमित तिवारी राजा,विकल झा,शुभम जायसवाल,मदन जायसवाल, सोहन जायसवाल, सतीश बारी, अमित सिन्हा, सौरभ फिलिप, उत्तम राजवाड़े, निखिल विश्वकर्मा, अमित सिंह, अविनाश कुमार, विकास शर्मा, रोशन कन्नौजिया, चंचला सांडिल्य, सपना सिन्हा, उर्मीला कुशवाहा, शकीला सिद्धकी, विरेन्द्र सिंह, गंगा प्रसाद, राधे अग्रवाल ,सुरेन्द्र गुप्ता ,अभिनव पांडे,अंकित जायसवाल ,अतुल यादव ,अवि, संजर नवाज ,आयुष सोनी, ऋषभ जयसवाल, संदीप, विकास केशरी, शिवराज सिंह, आकाश अग्रहरि, सूरज यादव, सतीश घोष, भानु रजवाड़े, दीपक जायसवाल, नवनीत सिंह, नितिन तिर्की, सोमा मुखर्जी, निलेश कश्यप, आयुष सोनी, राकेश सोनी, श्रवण यादव, नमित गुप्ता, धर्मेन्द्र झरिया, प्रिंस अभिषेक कुजूर, अखिलेश, राम नारायण, मनरखान, योगेश, रजत, संजय, काजल गुप्ता,सिद्धार्थ सिंह,आदित्य त्रिपाठी आदि उपस्थित थे।

कुम्हरता में युवक की रहस्यमय मौत,तीन आरोपी गिरफ्तार

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,01 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।
दरिमा थाना क्षेत्र के ग्राम कुम्हरता में एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई,जिसे बाद में एक कुएं में फेंक दिया गया था। पुलिस ने इस मामले की जांच में खुलासा करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपी युवक की मौत के लिए एक जीआई तार का इस्तेमाल कर रहे थे,जो सुअर के शिकार के लिए खेत में बिछाया गया था। घटना 23 नवंबर की रात की है,जब हरेंद्र सिंह (27 वर्ष) नामक युवक अपने दोस्तों के साथ मैनपाट से पिकनिक मनाकर लौट रहा था। जब वह घर नहीं पहुंचा, तो परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। अगले दिन युवक का शव गांव के कुएं में मिला। शुरू में परिजनों को हत्या का शक था, लेकिन पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में करंट लगने से उसकी मौत की पुष्टि हुई। पुलिस ने जब मामले की गंभीरता से जांच शुरू की, तो पता चला कि हरेंद्र की मौत एक नंगे जीआई तार से करंट लगने के कारण हुई थी। दरअसल, गांव के तीन लोगों ने सुअर शिकार के लिए खेत में नंगा जीआई तार बिछाया था,ताकि सुअर इसके संपर्क में आकर मारा जाए। उसी तार के संपर्क में आकर हरेंद्र की मौत हो गई थी। घटना के बाद आरोपी डर से शव को घटनास्थल से 500 मीटर दूर ले गए और उसे कुएं में फेंक दिया,ताकि घटना का खुलासा न हो सके। पुलिस ने इस मामले में आरोपी बलराम सिंह (55 वर्ष), मदन सिंह (50 वर्ष),और बुधवार सिंह (65 वर्ष) को गिरफ्तार कर लिया है। तीनों आरोपियों को जेल भेज दिया गया है। यह घटना न केवल युवक की हत्या की एक रहस्यमय कहानी बनकर सामने आई,बल्कि यह यह भी दर्शाती है कि सुअर शिकार करने के लिए लगाए गए खतरनाक तार ने एक निर्दोष व्यक्ति की जान ले ली। पुलिस अब इस मामले की और गहराई से जांच कर रही है, ताकि सभी तथ्यों का खुलासा हो सके।

कुदरगढ़ धाम से दर्शन कर लौट रहे श्रद्धालुओं की बुलेरो पेड़ से टकराई,एक की हुई मौत

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,01 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।
सूरजपुर जिले के ओडग़ी थाना क्षेत्र के बांक के पास रविवार की देर शाम अनियंत्रित बोलेरो सडक़ किनारे पेड़ से जा टकराई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि वाहन के परखच्चे उड़ गए। हादसे में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि आधे दर्जन लोग घायल हुए हैं। सभी कुदरगढ़ धाम से दर्शन कर लौट रहे थे। जानकारी के अनुसार मध्यप्रदेश के सिंगरौली जिले के कुम्हिया निवासी सतीश ठाकुर सहित 8 लोग बोलेरों में सवार होकर रविवार को सूरजपुर जिले के कुदरगढ़ धाम दर्शन करने पहुंचे थे। दर्शन कर सभी श्रद्धालु वापस लौट रहे थे। देर शाम को ओडग़ी थाना क्षेत्र के बांक के पास तेज रफ्तार बोलेरो अनियंत्रित होकर सडक़ किनारे महुआ पेड़ से

जा टकराई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि वाहन के आगे के हिस्से का परखच्च उड़ गया। वहीं दुर्घटना में सतीश ठाकुर की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं आधे दर्जन से अधिक लोग घायल हुए हैं।

युवा कांग्रेस की बैठक में टीएस सिंहदेव ने दिया आधी आबादी के प्रतिनिधित्व को प्राथमिकता

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,01 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।
युवा कांग्रेस जिला सरगुजा की नवगठित कार्यकारणी की सोमवार को प्रथम बैठक जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय राजीव भवन में पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुई। इस दौरान पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव ने नवनियुक्त ब्लॉक अध्यक्ष एवं कार्यकारणी के सदस्यों को उनका नियुक्ती पत्र भी वितरित किया। बैठक के दौरान मौजूद युवा कांग्रेस के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि संगठन में आधी आबादी का प्रतिनिधित्व उनके अनुपात में कम है। ऐसे में आधी आबादी की वास्तविक आकांक्षाओं की प्रतिध्वनि स्पष्ट रुप से उभर

नहीं पाती। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की राजनीति में शुरुआत के पायदान अर्थात एनएसयूआई और युवा कांग्रेस में आधी आबादी अर्थात महिलाओं की पर्याप्त संख्या में भागीदारी सुनिश्चित करना होगा, तभी आगे चलकर सही अर्थो में एक आधी आबादी का जागरुक जनप्रतिनिधित्व सुनिश्चित होगा। उन्होंने सरगुजा युवा कांग्रेस को इस दिशा में कार्य करने एवं परिणाम सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। युवा कांग्रेस के कार्यकारणी की बैठक को संबोधित करते हुए कांग्रेस जिलाध्यक्ष बालकृष्ण पाठक ने कहा कि एनएसयूआई कांग्रेस के राजनीती की नर्सरी और युवा कांग्रेस प्राथमिक पाठशाला है। उन्होंने कहा कि आप पार्टी का भविष्य हैं और भविष्य की राजनैतिक सफलता इस बात में निहित है कि आप पार्टी की विचारधार को किस कदर आत्मसात करते हैं। युवा कांग्रेस की बैठक को प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महामंत्री द्वितेन्द्र मिश्रा, पूर्व कांग्रेस जिलाध्यक्ष राकेश गुप्ता एवं अम्बिकापुर शहर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष हेमंत सिन्हा ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन युवा कांग्रेस के जिलाध्यक्ष विकल झा ने किया। इस दौरान मो. इस्लाम, इंद्रजीत धंजल, सतीश बारी, प्रितिका विश्वकर्मा, शुभम जायसवाल, विरेन्द्र सिंह, गंगा प्रसाद, उत्तम रजवाड़े, विकास केशरी, शिवराज सिंह, आकाश अग्रहरि, सूरज यादव, सतीश घोष, संजर, भानु रजवाड़े, दीपक जायसवाल, नवनीत सिंह, नितिन तिर्की, सोमा मुखर्जी, निलेश कश्यप, आयुष सोनी, राकेश सोनी, श्रवण यादव, नमित गुप्ता, धर्मेन्द्र झरिया, प्रिंस अभिषेक कुजूर, अखिलेश, राम नारायण, मनरखान, योगेश, रजत, संजय, काजल गुप्ता, सिद्धार्थ सिंह, आदित्य त्रिपाठी आदि उपस्थित थे।

धारदार हथियार से प्राणघातक हमला,पति के विरूद्ध रिपोर्ट दर्ज

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,01 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।
वंसुधरा विहार कॉलोनी में रहने वाली महिला ने हत्या करने की नियत से धारदार हथियार से हमला करने का आरोप पति पर लगाया है, पुलिस ने आरोपी के विरूद्ध एफआईआर दर्ज करके विवेचना में लिया है। गोधनपुर निवासी सुशीला पाल 36 साल ने पुलिस को बताया है कि उसके पति संजीत पाल द्वारा आए दिन मारपीट करते आ रहे थे, लेकिन वह रिपोर्ट नहीं करती थी। आरोप है कि 30 नवम्बर को शाम करीब 5.50 बजे उसके पति संजीत पाल घर आए और गाली-गलौज करते हुए उसे घर से निकल जाने कहा, और घर से नहीं निकलने पर हत्या कर देने की धमकी दी। जब वह घर से निकलने के लिए तैयार नहीं हुई, तो हत्या करने की नियत से धारदार हथियार से सिर में वार कर दिया, जिससे खून निकलने लगा। इस दौरान पहुंचे पुत्र ने बीच-बचाव किया। महिला अपने पुत्र के साथ गांधीनगर थाना पहुंची, पुलिस ने सिर में चोट होने के कारण पहले महिला का इलाज कराया। सुशीला पाल ने अपने पति के विरूद्ध हत्या का प्रयास करने के संबंध में लिखित शिकायत पत्र पेश किया है, जिस पर पुलिस ने धारा 109 (1) का मामला दर्ज कर लिया है, और वैधानिक कार्रवाई कर रही है।

नाबालिग को शादी समारोह में ले गए नाचने,दो आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,01 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।

अभिभावक को जानकारी दिए बिना नाबालिग को बहला-फुसलाकर शादी समारोह में नाचने के लिए ले जाने के मामला प्रकाश में आया है। किशोरी की मां ने मामले की रिपोर्ट गांधीनगर थाने में दर्ज कराई है। जानकारी के अनुसार ग्राम केपी में रहने वाली महिला ने पुलिस को बताया है कि वह वर्तमान में पुलिस लाइन के पास बौरीपारा में रहकर मजदूरी करती है। साथ में उसकी लडक़ी भी रहती है, जो वर्तमान में कक्षा 10वीं में कन्या हाईस्कूल में पढ़ाई करती है। 27 नवम्बर को दिन में करीब 11 बजे वह अपने सहेली के घर जाने की बात कहकर निकली थी, इसके बाद घर नहीं लौटी। तलाश करने पर पता चला कि उसकी लडक़ी ग्राम उदारी में किसी के यहां शादी में नाचने के लिए गई है। इसका पता चलने पर वे लडक़ी को तलाशते ग्राम उदारी गए तो यहां उसकी लडक़ी व दो अन्य सहेलियां बसंत यादव और मनोज यादव के साथ मिले। पूछताछ करने पर वह बताई कि वह अपने सहेली के साथ नवापारा घूमने गई थी, उसी समय नवापारा के मनोज यादव व बसंत यादव उन्हें शादी में नाचने के लिए लेकर ग्राम उदारी ले गए।

जिला कांग्रेस कमेटी ने अग्रसेन चौक पर किया प्रदर्शन

केन्द्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी,नेशनल हेराल्ड मामले में मोदी सरकार के तानाशाही रवैये पर हुआ पुतला दहन

-संवाददाता-
सूरजपुर,01 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।
नेशनल हेराल्ड मामले को लेकर मोदी सरकार के द्वारा सोनिया गांधी व राहुल गांधी सहित कांग्रेस पार्टी को निशाना बनाने के मामले में धमकी की राजनीति और तानाशाही रवैये के मामले में कांग्रेस के प्रदेशव्यापी आह्वान में स्थानीय अग्रसेन चौक पर जिला कांग्रेस कमेटी के द्वारा जमकर नारेबाजी करते हुए पीएम मोदी का पुतला दहन किया गया। कांग्रेस पदाधिकारियों ने बताया कि देश में अर्थव्यवस्था की बर्बादी, फैलती नफरत, बेरोजगारी, फेल विदेश नीति के साथ अमेरिका और चीन की धमकी से देश का ध्यान भटकाने के लिए केन्द्र सरकार नेशनल हेराल्ड के मुद्दे को उछाल रही है और कांग्रेस व गांधी परिवार के खिलाफ लगातार तानाशाही मामले में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी व प्रदेश कांग्रेस कमेटी के द्वारा राष्ट्र व प्रदेश स्तर पर इसका विरोध सड़क में उतरकर किया जा रहा है। सूरजपुर जिला कांग्रेस कमेटी की नवनियुक्त अध्यक्ष शशि सिंह के निर्देश पर शहर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष संजय डोसी की अगुवाई में अग्रसेन चौक पर बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने केन्द्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और पुलिस को चकमा देकर पुतला दहन किया और पुलिसकर्मियों के साथ कांग्रेसियों की झुमाझटकी भी हुई। इस दौरान जीएस मिश्रा, विमलेश दत्त तिवारी, सुनील अग्रवाल, दीप्ती स्वाई, विनय मिश्रा, बिहारी कुलदीप, प्रवेश गोयल, प्रदीप साहू, नरेन्द्र यादव, विक्की समद्दार, परमेश्वर राजवाड़े, दिलीप सोनी, सकील हुसैन, अजय सोनवानी, देवेश राजवाड़े, इमरान इराकी, पारस राजवाड़े, कौनेन अंसारी, लालचंद देवांगन, संजय सोनी, कुंदन विश्वकर्मा, भोला शर्मा, मो. अजहर, जबारूल खान, गिरधारी साहू, सुनील सारथी, आशीष सिंह, समीर, विनोद सिंह, शांतू डोसी, दीपक साहू, शक्ति ठाकुर, रामनारायण, हेमंत साहू, बालेन्द्र सिंह, जमील सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस, महिला कांग्रेस, युवक कांग्रेस, किसान कांग्रेस, पिछड़ा वर्ग कांग्रेस, एनएसयूआई तथा अनुसांगिक संगठनों के कार्यकर्ता व पदाधिकारी उपस्थित थे।

निराश्रित पशुओं की सुरक्षा व गौधाम संचालन को लेकर लिए गए निर्णय

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,01 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।
कलेक्टरेट सभाकक्ष में आज जिला स्तरीय गौधाम समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता समिति के अध्यक्ष श्री संतोष जायसवाल ने की। जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती निरूपा सिंह तथा कलेक्टर श्री विलास भोस्कर विशेष रूप से उपस्थित रहे। बैठक में गौधाम योजना के प्रभावी संचालन और जिले में निराश्रित एवं घुमंतू पशुओं की सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में शासन के निर्देशानुसार जिले में उपयुक्त स्थानों पर गौधामों के चयन और उन्हें शीघ्र प्रारंभ करने पर सहमति बनी। यह भी उल्लेख किया गया कि निराश्रित,घुमंतू और कृषिक पशु परिरक्षण अधिनियम-2004 (संशोधित 2011) तथा छत्तीसगढ़ कृषिक परिरक्षण नियम 2014 के तहत राष्ट्रीय राजमार्गों के आसपास गौधाम स्थापित करना अनिवार्य है, जिससे जप्त एवं असुरक्षित गौवंशीय पशुओं का संरक्षण तथा

संवर्धन सुनिश्चित हो सके। शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में सड़कों पर घूम रहे आवारा पशुओं पर चर्चा करते हुए समिति ने निर्णय लिया कि निराश्रित और घुमंतू पशुओं को शीघ्र सड़क से हटाकर गौधामों में सुरक्षित रखा जाएगा, जिससे सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सके और पशुओं की सुरक्षा भी सुनिश्चित होगी। गौधाम समिति अध्यक्ष ने किसानों से पराली न जलाने की अपील करते हुए, गौधामों में पैरादान को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। कलेक्टर श्री विलास भोस्कर ने निर्देशित किया कि गौधाम योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए, ताकि अधिक से अधिक ग्रामीण एवं संस्थाएं इस योजना से जुड़ सकें। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि गौधाम संचालन में रुचि रखने वाली संस्थाओं से निरंतर आवेदन प्राप्त किए जाएं और उनके परीक्षण की प्रक्रिया तेज की जाए। बैठक में पशुधन विकास विभाग के उपसंचालक, पशु चिकित्सा सेवाएं ने गौधाम योजना से संबंधित विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की तथा प्राप्त आवेदनों की स्थिति समिति के समक्ष रखी।

बाइक चोरी करके भागते एक पकड़ाया,एक फरार

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,01 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)।
घर के अंदर खड़ी बाइक को चोरी करके भाग रहे एक युवक को पकडक़र वाहन स्वामी ने पुलिस के सुपुर्द कर दिया है, दूसरा भागने में सफल हो गया। जानकारी के अनुसार अजिरमा बुधवारी बाजार निवासी सपन तालुकदार 29 नवम्बर की रात को करीब 10 बजे के अपनी मोटरसायकल हीरो होण्डा सीडी डीलक्स क्रमांक सीजी 15 सीडी 4572 को अपने घर के अंदर लॉक करके खड़ा किया था और सोने चले गया। अलसुबह करीब 4 बजे गेट का आवाज सुनाई देने पर जब वह उठा तो दो व्यक्ति घर के अंदर से मोटरसायकल लेकर भाग रहे थे। एक व्यक्ति को दौड़ाकर पकडने पर वह अपना नाम राजेन्द्र नगेशिया पिता बुधराम नगेशिया निवासी दर्रीपारा, कुसमी बताया, जो वर्तमान में गोधनपुर में रहता है,दूसरा फरार हो गया।

CMYK

खदान पर फैसला या सौदेबाजी? सोशल मीडिया में उठे दलाली के आरोपों ने खोली सिस्टम की पोल

मैनपाट में बॉक्साइट खदान विस्तार पर भूचाल,जनसुनवाई बनी जनता की सुनवाई...पंडाल उखड़ा,सवाल नहीं

- कौन ले रहा कितना 80 लाख से 3-3 हजार तक के लेनदेन के दावों से मैनपाट में भूचाल...
- जनसुनवाई में हंगामा...अब सोशल मीडिया पर फूटा गुस्सा...नेताओं पर दलाली व रकम बाँटने के आरोप...

-न्यूज डेस्क-

मैनपाट 01 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)। मैनपाट में बॉक्साइट खदान विस्तार के विरोध का दायरा रविवार की जनसुनवाई से आगे बढ़कर अब सोशल मीडिया तक पहुंच गया है,जनसुनवाई में पंडाल उखाड़ने और हंगामे के बाद ग्रामीणों और नेटिज़न्स ने नेताओं पर खदान कंपनी से पैसे लेने, ग्रामीणों को मैनेज करने और पत्रकारों तक को 'सौदा' में शामिल करने जैसे गंभीर आरोप लगाए हैं। बता दे की मैनपाट में प्रस्तावित बॉक्साइट खदान विस्तार ने पूरे सरगुजा संभाग की राजनीति और प्रशासनिक तंत्र को हिला दिया है,रविवार को नर्मदापुर मिनी स्टेडियम में हुई प्रशासनिक जनसुनवाई के दौरान ग्रामीणों द्वारा पंडाल उखाड़कर विरोध प्रदर्शन किए जाने के बाद अब मामला सोशल मीडिया पर विस्फोट बनकर उभरा है। नेताओं से लेकर अधिकारियों और पत्रकारों तक पर पैसे लेने, सौदेबाजी करने और जनता को मैनेज करने के आरोप लगातार सामने आ रहे हैं, जिससे पूरा मामला अब तीव्र विवाद में बदल गया है।ग्रामीणों का कहना है कि मौजूदा खदानों ने खेतों की उपजाऊ क्षमता खत्म कर दी, जलस्रोत सूख रहे हैं, हाथियों का रहवास क्षेत्र नष्ट हो रहा है, अब खदान विस्तार के लिए 'जनता की सहमति खरीदने का खेल' चल रहा है। जिला पंचायत सदस्य रतनी नाग ने भी जनसुनवाई में खुलकर विरोध किया और दावा किया कि कुछ को शराब पिलाकर राय बदलने की कोशिश हुई।

जनता बनाम सिस्टम...

मैनपाट की ताज़ा हलचल केवल बॉक्साइट खदान विस्तार की सहमति या असहमति का मामला नहीं है; यह उस गहरे सवाल का पुनरुत्थान है जो दशकों से ग्रामीण भारत में गूंजता आया है क्या जनता की आवाज़ वास्तव में सुनी जाती है या सिस्टम पहले ही तय कर चुका होता है कि क्या होना है? जनसुनवाई का मंच जनता के लिए बनाया गया था,लेकिन रविवार को जो दृश्य सामने आया,उसने यह समझा दिया कि जनता अब केवल सुनने नहीं आई थी जनसुनवाई को 'जनता की सुनवाई' में बदलने आई थी, पंडाल उखाड़ने का प्रतीकात्मक क्षण सिर्फ गुस्से की अभिव्यक्ति नहीं था,वह संकेत था कि लोग अब औपचारिक लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं की दिखावेबाज़ी को स्वीकार करने के मूड में नहीं हैं, सबसे चिंताजनक प्रश्न यह है कि ग्रामीणों के वास्तविक चिंताओं पर्यावरण को हो रहा नुकसान,खेती का मरता भविष्य,सूखते जलस्रोत,हाथियों का बिगड़ता रहवास,इन सभी मुद्दों पर चर्चा कम,और 'किसने कितना लिया, किसने किसको मैनेज किया' जैसे आरोप ज़्यादा गूंज रहे हैं,सोशल मीडिया ने इस पूरे घटनाक्रम को और ज्वलंत बना दिया है, नेताओं पर 80 लाख लेने का आरोप हो,ग्रामीणों को 3-3 हजार बाँटने की बात हो,पत्रकारों पर दलाली का तंज हो, या अधिकारियों की मिलीभगत की चर्चा हर टिप्पणी उस विश्वास के टूटने का प्रतीक है जिसे लोकशासन की नींव माना जाता है। सवाल यह नहीं है कि आरोप सही हैं या गलत,सवाल यह है कि यह आरोप उठ क्यों रहे हैं? और जवाब सरल है क्योंकि जनता को भरोसा नहीं है कि सिस्टम के निर्णय जनहित में होते हैं, एक दौर था जब खनन परियोजनाएँ विकास की भाषा में बेची जाती थीं। आज जनता पूछ रही है विकास किसका और विनाश किसका? मैनपाट की लड़ाई इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यहाँ जनता केवल खदान का विरोध नहीं कर रही,वह यह भी घोषित कर रही है कि उनकी सहमति खरीदी नहीं जा सकती, उनकी जमीन और जंगल सिर्फ आंकड़े नहीं हैं,और पर्यावरण कोई 'कागज़ों की मंजूरी' भर नहीं है,यह संघर्ष सत्ता बनाम विपक्ष की राजनीति नहीं है यह जनता बनाम सिस्टम का वह संघर्ष है जहाँ जनता ने पहली बार इतने खुले रूप में कहा है सुनवाई अगर नाटक है, तो हम दर्शक नहीं रहेंगे,सिस्टम को यह समझना होगा कि विश्वास खो देने के बाद मनाया नहीं जाता दोबारा कमाया जाता है और मैनपाट आज यही संदेश दे रहा है।

जनसुनवाई में हंगामा...प्रशासन की मौजूदगी में ग्रामीणों ने उखाड़े पंडाल...

कंडराजा और उरगा क्षेत्र में खदान विस्तार प्रस्ताव के विरोध में बड़ी संख्या में ग्रामीण जमा हुए, जिला पंचायत सदस्य रतनी नाग के नेतृत्व में ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि मौजूदा खदानों ने खेतों को बंजर कर दिया,जलस्रोत खत्म होने की कगार पर हैं, हाथियों का रहवास क्षेत्र बर्बाद हुआ है,और अब खदान विस्तार से पर्यावरणीय खतरा और बढ़ेगा, ग्रामीणों के गुस्से के आगे पुलिस और प्रशासनिक अमला बेबस दिखाई दिया जनसुनवाई तनावपूर्ण माहौल में पूरी हुई और किसी भी बिंदु पर सामंजस्य नहीं बन सका।

हंगामा,विरोध और अब सोशल मीडिया पर आग...प्रशासन दबाव में...

नर्मदापुर मिनी स्टेडियम में हुई जनसुनवाई में ग्रामीणों ने पंडाल उखाड़ दिए प्रशासनिक अधिकारी और पुलिस मौके पर मौजूद थे,लेकिन भीड़ को रोक नहीं सके, आरोपों की तीव्रता इतनी बढ़ चुकी है कि अब पूरा मामला सड़क पर विरोध से निकलकर सोशल मीडिया ट्रायल तक पहुँच गया है, और इससे प्रशासन और खदान कंपनी दोनों पर सवाल और दबाव बढ़ गया है।

नेटिज़न्स के आरोप...नेता कंपनी से पैसा खा रहे हैं,अधिकारियों की मिलीभगत

कुछ और गर्मागर्म प्रतिक्रियाएँ कुल 10 लाख का हिसाब देना होगा, 1.45 हजार का पता है,बाकी 8.55 हजार कौन खा गया? जिले के अधिकारी सब + की एक ही चटे बटे हैं,मीडिया वाले भी दलाली करके पैसा ले रहे हैं,ऐसा पत्रकार दीपक कश्यप ने कहा 'नेता दलाली नहीं करेगा तो क्या करेगा? जनता उन्हें जूते मारे तभी सुधरेंगे, कुछ टिप्पणियों में कहा गया कि किसने कितना पैसा लिया, इसका 'सबूत जल्द जनता के सामने लाया जाएगा'।

ऑडियो-वीडियो के सबूत...

कई यूज़र्स ने नेताओं को 'दलाल ', 'चोर ', 'मध्यस्थ' तक कहा और दावा किया कि पत्रकारों तक पर 'रकम लेने' के आरोप लगे हैं, ग्रामीणों का आरोप–पहले से ही पर्यावरण तबाह, अब सौदेबाजी शुरू, कई यूज़र्स ने यह भी लिखा कि उनके पास 'लेनदेन और ऑडियो-वीडियो के सबूत' हैं, जो समय आने पर जनता के सामने रखे जाएंगे।

नेता-अधिकारी-पत्रकार तीनों सवालों में,प्रशासन दबाव में...

अब आरोप इतने व्यापक हो चुके हैं कि विरोध केवल सड़कों पर नहीं रहा,बल्कि सोशल मीडिया की अदालत में भी चल रहा है, प्रशासन के लिए चुनौती है कि जनसुनवाई की विश्वसनीयता कैसे बहाल हो? लेनदेन के आरोपों का सत्यापन कैसे हो? ग्रामीणों के पर्यावरणीय मुद्दों का समाधान क्या है? खदान कंपनी ने अभी तक कोई आधिकारिक जवाब नहीं दिया है, नतीजा मैनपाट में खदान विस्तार का मामला अब सिर्फ खनन नहीं,बल्कि 'जनता बनाम सिस्टम' की लड़ाई बन गया है ग्रामीणों के प्रतिरोध,जनसुनवाई की अव्यवस्था,सोशल मीडिया में वायरल आरोप,नेताओं की भूमिका और प्रशासन की चुप्पी, सब मिलकर यह दिखा रहे हैं कि मैनपाट अब एक बड़े सामाजिक-राजनीतिक संघर्ष का केंद्र बन चुका है।

सोशल मीडिया पर आरोप...80 लाख लिए गए, 3-3 हजार बाटे जा रहे हैं- फेसबुक पर दर्जनों पोस्ट और कमेंट वायरल हो रहे हैं,कुछ प्रमुख आरोप ऐसे

- सूत्रों की माने तो भाजपा के नेता ने 80 लाख लिए हैं...ग्रामीणों को देखने के लिए?--- यूजरः सुशिल कुमार बखला
- खदान के नाम पर 3-3 हजार रुपये बांटे जा रहे हैं...गजब दलाली है---पोस्टः सुमित सिंह
- बड़ी कंपनी को फर्क नहीं पड़ता, अधिकारियों को कमीशन चाहिए... सारा सिस्टम सेट है भैया--- पंकज शुक्ला
- नेता अधिकारी सब दलाली में लगे हैं, जनता का हित कौन देखेगा?' – (यूजर)
- 10 लाख में से 1.45 हजार का हिसाब मिला, बाकी 8.55 हजार कौन खा गया?--- रानू राज पांडे
- 'नेता दलाली नहीं करेगा तो क्या करेगा? सब चोर हैं '– दिवस दुबे
- जनता का दर्द किसी नेता-अधिकारी को नहीं– वशिष्ठ यादव

सोशल मीडिया का गुस्सा

80 लाख की दलाली का आरोप 3-3 हजार रुपये बाँटने की चर्चा, नेताओं-अधिकारियों-पत्रकारों तक पर सवाल सिस्टम सेट है, दलाली चरम पर है जैसे कमेंट वायरल

सूरजपुर पुलिस के नए कानूनों की प्रदर्शनी में जिलवासियों को मिल रही है नए कानूनों की जानकारी

डीआईजी व एसएसपी सूरजपुर ने पुलिस अधिकारियों को नए कानूनों के प्रति आमजनता के जिज्ञासाओं का समाधान करने दिया निर्देश

-संवाददाता-

सूरजपुर,01 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)। डीआईजी व एसएसपी श्री प्रशांत कुमार ठाकुर के मार्गदर्शन में आयोजित नए आपराधिक कानूनों की प्रदर्शनी में प्रतिदिन काफी संख्या में आमजनता, व्यापारी वर्ग, अधिवक्ता व स्कूली बच्चों का आना-जाना लगा हुआ है। सभी नए कानूनों को करीब से देख और समझ कर अपना ज्ञान बढ़ा रहे है। सोमवार, 01 नवम्बर 2025 को डीआईजी व एसएसपी सूरजपुर ने प्रदर्शनी का जायजा लेते हुए तैनात पुलिस अधिकारियों को नए कानूनों के बारे में आमजनता, स्कूली बच्चों को सूक्ष्मता से जानकारी देते हुए उनके जिज्ञासाओं का समाधान करने के निर्देश दिए। सूरजपुर पुलिस के नए आपराधिक कानूनों की प्रदर्शनी के बारे में जिलेवासियों के द्वारा अपनी प्रतिक्रिया दी गई। संयुक्त जिला कार्यालय में पदस्थ सहायक ग्रेड 2 और अरूणोदय की शिक्षिका संगीता सोनी ने कहा कि पुलिस विभाग द्वारा नए आपराधिक कानूनों की प्रदर्शनी लगाई गई है वह सराहनीय है और प्रदर्शनी देखकर बहुत कुछ सीखने को मिला, नई जानकारी से शुरूवात होती है चीजों को जानने, समझने का, तीन नए कानूनों की धाराओं को बड़ी ही प्रमुखता से बताया गया है। जिलेवासियों के लिए नए कानूनों को जानने का अच्छा अवसर मिला है। उन्होंने लोगों से अपील किया है कि नए कानून की बारीकियों को जानने, अपने अधिकारों के प्रति समझ बढाने के लिए इस प्रदर्शनी में जरूर आए।

शिक्षक की हैवानियत,करतूत शराब के नशे में मासूम छात्र की बेदम पिटाई

निर्दयी शिक्षक को पुलिस ने गिरफ्तार कर भेजा सलाखों के पीछे

-संवाददाता-

त्रिकुंडा,01 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)। बलरामपुर जिले के त्रिकुंडा पुलिस ने मासूम बच्चे के साथ निर्दयता पूर्वक मारपीट करने वाले शिक्षक उदय यादव के विरूद्ध अपराधिक प्रकरण दर्ज कर अपराध क्रमांक 72/2025 धारा 296,115 (2) बीएनएस एवं किशोर न्याय,(बालको की देखरेख और संरक्षण) अधिनियम 2015 की धारा 75, 82 तहत कार्यवाही कर भेजा सलाखों के पीछे। जानकारी के अनुसार प्रार्थी धनंजय यादव पिता नंदलाल यादव, उम्र 32 वर्ष, निवासी ग्राम पलगी (छितौलीपारा),थाना त्रिकुण्डा, जिला बलरामपुर द्वारा थाना त्रिकुण्डा में उपस्थित होकर लिखित आवेदन पत्र पेश कर रिपोर्ट दर्ज कराया कि,प्रार्थी का लड़का भागीरती यादव, उम्र 07 वर्ष ग्राम पलगी का शासकीय प्राथमिक शाला जवाखाडी ग्राम पंचायत पलगी जनपद पंचायत रामचन्द्रपुर में कक्षा 2 री में पढ़ता है। दिनांक 28/11/2025 दिन शुक्रवार को इसका लड़का जब स्कूल से घर आया तो देखा दोनों गाल सूजा हुआ है आंख में खून उतर गया है और बच्चा बुखार से बुरी तरह हाफ रहा है बच्चे से जब पूछा तो बताया कि टिफिन के बाद उदय यादव सर शराब के नशे में पढाने आये और गिनती पढवाने से नहीं बता पाने पर गाली-गलौज और डाट फटकार कर बच्चे के साथ मारपीट किया है।

प्रार्थी की रिपोर्ट पर मासूम बच्चे के साथ निर्दयिता पूर्वक मारपीट करने वाले शिक्षक उदय यादव के विरूद्ध थाना त्रिकुण्डा में अपराध क्रमांक 72/2025 धारा 296,115 (2) बीएनएस एवं किशोर न्याय, (बालको की देखरेख और संरक्षण) अधिनियम 2015 की धारा 75, 82 दर्ज कर विवेचना में लिया जाकर वरिष्ठ अधिकारियों के दिशा-निर्देशन में आरोपी उदय यादव की पता-साजी कर हिरासत में लेकर आरोपी प्रधान पाठक उदय कुमार यादव पिता स्व. रामजी यादव, जाति अहिर, उम्र 56 वर्ष, सा. पलगी, थाना त्रिकुण्डा जिला बलरामपुर के विरूद्ध अपराध घटित करने का सबूत पाये जाने पर विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड पर न्यायालय में पेश किया गया है।

गाइडलाइन में भारी बढ़ोतरी से प्रतापपुर में रजिस्ट्री ठप्प,लोग कार्यालय पहुंचना बंद

-संवाददाता-

प्रतापपुर,01 दिसम्बर 2025 (घटती-घटना)। प्रदेश में नई गाइडलाइन लागू होने के बाद जमीन और मकानों की रजिस्ट्री कई गुना महंगी हो गई है। दरों में अचानक 10 गुना तक की बढ़ोतरी होने से रियल एस्टेट से लेकर आम नागरिक और किसानों तक पर सीधा आर्थिक असर पड़ा है।

रजिस्ट्री महंगी,लोगों की पहुंच बंद : नई दरों के कारण जमीन खरीदने पर टैक्स व शुल्क काफी बढ़ गए हैं। एक एकड़ जमीन की रजिस्ट्री पर अब बहुत अधिक राशि चुकानी पड़ रही है, जिसके चलतेः प्रतापपुर रजिस्ट्री कार्यालय में लोगों की आवाजाही लगभग बंद हो गई है। जमीन खरीद-फरोख्त की प्रक्रिया काफी धीमी हो गई है। कई लोग रजिस्ट्री को फिलहाल टाल रहे हैं। अभी तक कोई विरोध नहीं हुआ प्रतापपुर क्षेत्र में अभी तक नई गाइडलाइन के खिलाफ कोई औपचारिक विरोध-प्रदर्शन नहीं हुआ है। लेकिन महंगी रजिस्ट्री के कारण जनता स्वयं ही कार्यालय नहीं पहुंच रही, जिससे रजिस्ट्री कार्य ठप जैसी स्थिति बन गई है।

गाइडलाइन से बड़ी परेशानी : अचानक की गई बढ़ोतरी का असर मध्यम वर्ग, किसानों और छोटे खरीदारों पर सबसे ज्यादा पड़ा है। लोगों का जमीन खरीदना और रजिस्ट्री कराना अत्यधिक महंगा हो गया है,जिससे बाजार में अनिश्चितता बनी हुई है।

एक करोड़ की कोचिंग...पर चयन 'शून्य'
युवाओं के भविष्य पर किसने मारा डाका ?

-रवि सिंह-
कोरिया,01 दिसंबर 2025
(घटती-घटना)।
क्या कोरिया जिले में युवाओं के कैरियर के नाम पर डीएमएफ मद की राशि का दुरुपयोग किया गया? क्या प्रतियोगी परीक्षा कोचिंग के नाम पर भ्रष्टाचार हुआ? यह सवाल अब जोर पकड़ रहा है क्योंकि एक करोड़ रुपये खर्च होने के बावजूद कोरिया जिले से पीएससी परीक्षा में एक भी ऐसा अभ्यर्थी चयनित नहीं हुआ, जिसने डीएमएफ मद से संचालित कोचिंग सेंटर में पढ़ाई की हो।

सूत्रों के अनुसार, कोचिंग संचालन पर खर्च राशि लगभग एक करोड़ तक पहुँच गई, लेकिन पूरे साल चली कोचिंग का एक भी प्रत्यक्ष परिणाम सामने नहीं आया, जिससे पूरी परियोजना की विश्वसनीयता पर प्रश्नचिन्ह लग गया है, कोरिया जिले में डीएमएफ मद से संचालित प्रतियोगी परीक्षा कोचिंग को लेकर गंभीर आरोप फिर एक बार सुर्खियों में हैं, जिले के युवाओं का कहना है कि उनके भविष्य के नाम पर डीएमएफ राशि की बंदरबाट की गई, और अब एक करोड़ रुपये खर्च होने के बाद भी पीएससी में एक भी चयन नहीं होने से पूरा सिस्टम कटघरे में है, यह वही मामला है जिसकी पहली परतें दैनिक घटती-घटना ने 25 नवम्बर 2025 के विशेष प्रकाशन में खोली थीं, तब भी सवाल था कोचिंग के नाम पर करोड़ों खर्च, पर चयन एक भी नहीं? अब पीएससी परीक्षा परिणाम ने संकेत दे दिया कि वह सवाल केवल आशंका नहीं था बल्कि एक बड़े घोटाले की ओर इशारा कर रहा था।

50 लाख की स्वीकृति कैसे बनी 1 करोड़? निविदा प्रक्रिया पर उठ रहे भारी सवाल

नेता-अधिकारी-कोचिंग संचालक गठजोड़? युवाओं का नाम ढाल बनाकर जेब भरने का आरोप

क्या प्रतियोगी परीक्षा कोचिंग के नाम पर हुआ बड़ा खेल?

युवाओं के कैरियर पर चोट, डीएमएफ मद की राशि की 'बंदरबाट' पर सवाल

पीएससी में कोरिया से एक भी चयन नहीं फिर एक करोड़ की कोचिंग का औचित्य कहाँ?

आरोप	संभावित जवाब/स्थिति
1. कोचिंग के लिए 50 लाख स्वीकृत हुए थे,लेकिन बिना नई निविदा के राशि बढ़ाकर 1 करोड़ कर दी गई...	अधिकारी वर्ग का संभावित पक्ष-अभ्यर्थियों की मांग के आधार पर अवधि बढ़ाई गई, इसलिए राशि बढ़ी। (लेकिन दस्तावेज़ों में अभ्यर्थियों की मांग का स्पष्ट प्रमाण नहीं)
2. अतिरिक्त 50 लाख जोड़ते समय पुरानी संस्था को ही काम दे दिया गया,नई निविदा नहीं निकाली गई...	पुराना संचालक पहले से प्रक्रिया में था,निरंतरता के लिए वही रखा गया। (नियम के अनुसार अतिरिक्त राशि पर भी नई निविदा जरूरी हो सकती है)
3. एक करोड़ खर्च लेकिन पीएससी में कोचिंग से जुड़े छात्रों का चयन शून्य...	चयन होना या न होना छात्रों की मेहनत पर निर्भर करता है...प्रशासन ने सुविधा दी। (परंतु एक भी चयन न होना कोचिंग की गुणवत्ता पर सवाल बनता है)
4. कोचिंग गुणवत्ता बेहद खराब–कक्षाएँ अनियमित, मॉड्यूल कमजोर,टेस्ट सीरीज़ अधूरी...	सभी कक्षाएँ संचालित हुईं...उपस्थिति रजिस्टर उपलब्ध है। (लेकिन अभ्यर्थी रजिस्टर को कागज़ी करार दे रहे हैं)
5. एक अधिकारी और एक नेता के करीबी ने आर्थिक लाभ उठाया...	यह आरोप निराधार हैं...जांच के बाद ही तथ्य सामने आएंगे। (अब तक कोई स्पष्ट खंडन दस्तावेज़ी रूप में नहीं आया)
6. युवाओं के नाम पर डीएमएफ राशि की बंदरबांट हुई...	डीएमएफ का उपयोग नियमों के अनुसार हुआ। (लेकिन पीएससी में शून्य चयन पूरी प्रक्रिया को कमजोर करता है)
7. व्यय की ऑडिट और प्रक्रिया की जांच टालने की कोशिश...	जांच के लिए तैयार हैं।' (अब तक किसी स्वतंत्र समिति की नियुक्ति नहीं)

50 लाख की स्वीकृति कैसे बढ़कर एक करोड़ तक पहुँची?

सूत्र बताते हैं कि शुरुआत में कोचिंग के लिए केवल 50 लाख रुपये स्वीकृत किए गए थे लेकिन बाद में कोचिंग अवधि बढ़ाने के नाम पर अतिरिक्त 50 लाख रुपये और जोड़कर राशि सीधे दोगुनी कर दी गई, यहाँ बड़ा सवाल यह है की क्या यह मांग वास्तव में अभ्यार्थियों की ओर से आई थी या कोचिंग संचालकों ने 'युवाओं का नाम' ढाल की तरह इस्तेमाल किया? जब अतिरिक्त राशि स्वीकृत की गई,तब नई निविदा क्यों नहीं निकाली गई? पहले के संचालकों को ही बिना प्रतिस्पर्धा के फिर से क्यों पात्र घोषित किया गया? यह पूरा मामला अब डीएमएफ मद के उपयोग और पारदर्शिता पर गंभीर प्रश्न उठाता है।

क्या 'कोचिंग' सिर्फ एक दिखावा थी?

क्या अधिकारी और नेता के करीबी ने लाभ उठाया? जांच की मांग उठाने वाले लोगों का आरोप है कि कोचिंग के नाम पर अभ्यर्थियों के कैरियर का इस्तेमाल किया गया,लेकिन वास्तविक लाभ एक अधिकारी और एक नेता के करीबी व्यक्ति को मिला,युवाओं को कोई ठोस परिणाम नहीं मिला, जबकि कुछ लोगों ने इस योजना से आर्थिक लाभ जरूर उठा लिया,डीएमएफ का उद्देश्य खनन-प्रभावित क्षेत्रों के विकास के लिए कार्य करना है,लेकिन अगर युवाओं के भविष्य के नाम पर राशि का उपयोग सही ढंग से नहीं हुआ,तो यह जिले के भविष्य और शासन की नीयत दोनों पर सीधा सवाल है।

पीएससी में चयन शून्य–क्या यह पूरे सिस्टम की पोल खोलता है?

एक करोड़ रुपये खर्च होने के बाद भी एक भी चयन नहीं, युवाओं में भारी निराशा,योजना की पारदर्शिता पर सवाल,जिम्मेदारों पर उंगली यह स्पष्ट करता है कि या तो कोचिंग की गुणवत्ता बेहद कमजोर थी या फिर कोचिंग पूरी तरह से औपचारिकता और कागजी कार्रवाई तक सीमित थी, या फिर पूरे संचालन में आर्थिक लाभ मुख्य उद्देश्य था न कि युवाओं का भविष्य।

जिले में उठ रही मांग...पूरी परियोजना की उच्च स्तरीय जांच हो...

सामाजिक संगठनों,अभ्यर्थियों और कई जागरूक लोगों का कहना है कि कोचिंग में व्यय की पूरी ऑडिट हो,निविदा प्रक्रिया की जाँच हो,और यह भी स्पष्ट हो कि क्या कोचिंग संचालकों,अधिकारियों और किसी नेता के करीबी द्वारा डीएमएफ राशि का दुरुपयोग किया गया? जिले में चर्चा यह भी है कि जिनके भविष्य को बनाना था,उनके भविष्य से ही खेल हो गया।

निचोड़...युवाओं के भविष्य पर सवाल, सिस्टम की मंशा पर भी...

एक करोड़ रुपये खर्च...एक भी चयन नहीं...और बढ़ते सवाल...ये सब मिलकर संकेत देते हैं कि यह मामला केवल कोचिंग का नहीं, बल्कि डीएमएफ मद की पारदर्शिता और प्रशासनिक जवाबदेही का भी गंभीर मुद्दा है।

पहले भी दैनिक घटती-घटना ने किया था खुलासा... अब नई परतें सामने आ रही हैं...

पहले प्रकाशित खबर में बताया गया था कोचिंग में चयन शून्य, व्यय करोड़ों में,गुणवत्ता शून्य, और नेता-अधिकारी-प्रबंधन गठजोड़ की भूमिका पर सवाल,अब पीएससी परिणाम ने उस खबर को पूरी तरह सही साबित कर दिया है। ब जनता पूछ रही है,जिस कोचिंग का नतीजा एक भी नहीं, उसका बजट एक करोड़ क्यों? कौन था इस 'अतिरिक्त राशि' का असली लाभार्थी?

अवैध धान खरीदी पर प्रशासन की बड़ी कार्रवाई-144 बोरी धान जब्त

-संवाददाता-
कोरिया,01 दिसंबर 2025
(घटती-घटना)।
जिले में अवैध धान खरीदी पर निगरानी तेज करते हुए प्रशासन ने दो अलग-अलग स्थानों पर कार्रवाई कर कुल 144 बोरी धान जब्त किया है। दोनों मामलों में खरीदी बिना लाइसेंस के किए जाने की पुष्टि हुई है।

चिरगुड़ा में मीनाक्षी ट्रेडर्स से 38 बोरी धान जब्त

ग्राम चिरगुड़ा, पटना क्षेत्र में मीनाक्षी ट्रेडर्स द्वारा 38 बोरी धान अ वैध रूप से खरीदा गया था। टीम ने मौके पर पहुंचकर धान को जब्त किया। अनुमानित वजन 19 क्विंटल, टेलगा पंचायत में किराना दुकान से 106 बोरी धान की जब्ती।उसी दिन ग्राम पंचायत टेलगा (बचरा-पोड़ी) के अंतर्गत एक किराना दुकान में बिना लाइसेंस के धान खरीदते 106 बोरी धान पकड़ा गया। दुकान के लड़के ने पूछताछ में बताया कि यह धान दीपक राइस मिल को भेजा जाना था।

प्रशासन की सख्ती जारी

धान उपार्जन व्यवस्था को पारदर्शी और सुरक्षित रखने प्रशासन द्वारा सतत कार्रवाई की जा रही है। संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है।

गहन पुनरीक्षण अभियान के तहत बीएलओ द्वारा घर-घर सर्वे कार्य जारी एवं गणना पत्रक किए एकत्रित

-संवाददाता-
एमसीबी,01 दिसंबर 2025
(घटती-घटना)।
विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के तहत मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले में मतदाता सूची को शुद्ध,अद्यतन और पूर्णतरू त्रुटि-रहित बनाने का कार्य तेजी के साथ जारी है। निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुसार बूथ स्तर अधिकारियों को घर-घर जाकर मतदाताओं की वास्तविक स्थिति का सत्यापन करना है और इसी क्रम में ग्रामीण तथा शहरी दोनों क्षेत्रों में बीएलओ लगातार सक्रिय होकर क्षेत्र भ्रमण कर रहे हैं। जनसंख्या एवं मतदान से जुड़ी सूचनाओं की सटीकता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से बीएलओ द्वारा प्रत्येक घर में जाकर गणना पत्रक एकत्रित किए जा रहे हैं। मनेंद्रगढ़ और चिरमिरी तहसील के बीएलओ ने आज क्षेत्र का विस्तृत भ्रमण कर कृष्णा मुरारी तिवारी सहित कई नागरिकों से गणना पत्रक प्राप्त किए और संबंधित जानकारियों का मिलान भी किया। बीएलओ मतदाताओं को यह भी समझा रहे हैं कि सही जानकारी देना क्यों आवश्यक है और एक भी त्रुटि मतदाता सूची की विश्वसनीयता को कैसे प्रभावित कर सकती है। घर-घर सर्वे के दौरान मतदाताओं के नाम, पते, उम्र तथा अन्य आवश्यक तथ्यों का सत्यापन किया जा रहा है, साथ ही नए मतदाताओं के पंजीकरण,मृत व्यक्तियों के नाम हटाने, दोहराई गई प्रविष्टियों के सुधार तथा फॉर्म-6, फॉर्म-7 और फॉर्म-8 की विस्तृत जानकारी प्रदान की जा रही है। बीएलओ ग्रामीणों को आवश्यक दस्तावेजों की जानकारी देकर उन्हें आवेदन भरने के लिए प्रेरित कर रहे हैं, ताकि हर पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में दर्ज हो सके और कोई भी व्यक्ति मतदान के अधिकार से वंचित न रहे। अभियान से ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में लोगों में जागरूकता बढ़ी है और नागरिक स्वयं भी अपने विवरण सही करने और नए नाम जोड़ने में रुचि दिखा रहे हैं। जिले में चल रहा यह विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान आगामी चुनावों को ध्यान में रखते हुए अत्यंत महत्वपूर्ण साबित हो रहा है क्योंकि अद्यतन और त्रुटि-रहित मतदाता सूची किसी भी लोकतांत्रिक प्रक्रिया की सबसे मजबूत नींव मानी जाती है। बूथ स्तर अधिकारियों की सक्रियता और नागरिकों के सहयोग से यह उम्मीद जताई जा रही है कि जिले की मतदाता सूची अधिक सटीक, सुव्यवस्थित और भरोसेमंद रूप में तैयार होगी जिससे चुनाव प्रक्रिया सुचारू तथा पारदर्शी ढंग से संपन्न हो सकेगी।

विश्व एड्स दिवस के अवसर पर आज 'जागरुकता रथ' के साथ रैली निकाली गई

-संवाददाता-
कोरिया,01 दिसंबर 2025
(घटती-घटना)।
कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी के निर्देश में, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ प्रशांत सिंह के मार्गदर्शन में 1 दिसंबर को विश्व एड्स दिवस के अवसर पर कोरिया कलेक्ट्रेट परिसर से 'जागरुकता रथ' रैली निकाली गई वापस कलेक्ट्रेट परिसर में रैली का समापन कर लोगों को एड्स के प्रति जागरूक किया गया।

इस रैली में स्कूली बच्चे,राजवाड़े नर्सिंग इंस्टीट्यूट के नर्सिंग प्रशिक्षणार्थी एवं विभागीय अधिकारी-कर्मचारियों ने भाग लिया। शासकीय कृषि महाविद्यालय बैकुंठपुर में एड्स दिवस पर शपथ के साथ लोगों को नारा, माईकिंग,भाषण, मानव श्रृंखला विभिन्न गतिविधियां के द्वारा जागरुक किया गया। भाग लिये प्रतिभागियों को मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर प्रशांत सिंह के द्वारा पुरस्कृत कर सर्टिफिकेट प्रदान किया गया जानकारी दी गई की विश्व एड्स दिवस पर रैली, नारे, भाषण आदि गतिविधियां सही मायने में तभी सफल होगा जब हम अपने आसपास के लोगों को एड्स के प्रति सजग जागरूक करेंगे, निगरानी करेंगे ऐसे क्षेत्रों का जहां एड्स संक्रमित पाए जाने की शंका हो। एड्स एक जान लेवा बीमारी है, अभी तक इसका इलाज उपलब्ध नहीं है, रोकथाम/बढ़ने को रोक सकते हैं। एआरटी सेंटर में कोई भी व्यक्ति एचआईवी की जांच एवं परामर्श ले सकता है। कोरिया जिले में तीन आई सी टी सी सेंटर है, तीनों आईसीटीसी सेंटर में लैब टेक्नीशियन, काउंसलर पदस्थ हैं। जिनके द्वारा क्षेत्र से आये व्यक्तियों की जांच एवं उपचार व्यवस्था की परामर्श दी जाती है। व्यक्तियों/लोगों का नाम गोपनीय रखा जाता है। जिले में एड्स फैलने के कारणों को गंभीरता से समझाते हुए जानकारी दी गई कि यदि किसी भी व्यक्ति को कोई भी प्रजनन - तंत्रीय संक्रमण है तो ए आर टी सेन्टर में जांच करा सकते हैं। एचआईवी/एड्स में एन जी ओ कार्यरत हैं, ए एन सी (गर्भवती) महिलाओं के लिए अहाना कार्यक्रम के अंतर्गत कार्यरत हैं। जेल के लिए एन जी ओ/वाई आर जी कार्य कर रहे हैं। प्रत्येक एचआईवी/एड्स व्यक्ति को ए आर टी सेन्टर में लिंक करके ए आर टी की दवा दी जाती है। छत्तीसगढ़ राज्य में पांच ए आर टी सेंटर है मेडिकल कॉलेज रायपुर, अंबिकापुर, बिलासपुर, दुर्ग, जगदलपुर में संचालित है। विश्व एड्स दिवस पर जिले के शासकीय कृषि महाविद्यालय में संगोष्ठी,रेड रिबन कार्य,जमगहना हाई स्कूल,शासकीय पी जी कालेज बैकुण्ठपुर के एन एस एस के छात्र-स्कूल छात्रों के द्वारा मानव श्रृंखला व अन्य प्रतियोगी गतिविधियों आयोजित की गई। एड्स/एचआईवी पखवाड़ा अंतर्गत जिले में नवीन कन्या महाविद्यालय बैकुंठपुर, जेल परिसर में,एड्स पखवाड़ा के तहत विभिन्न गतिविधियां आयोजित करने का योजना बनाया गया है।

महोरा में अश्पृश्यता निवारणार्थ सद्भावना शिविर आयोजित

-संवाददाता-
कोरिया,01 दिसंबर 2025
(घटती-घटना)।
जिले के बैकुण्ठपुर विकासखंड के ग्राम पंचायत महोरा के प्राथमिक शाला महोरा परिसर में 28 नवंबर 2025 को आदिम जाति कल्याण विभाग ने छुआछूत और अश्पृश्यता निवारण उद्देश्य से सद्भावना शिविर का आयोजन किया गया।

भारत के महान समाज सुधारक महात्मा गांधी एवं डॉ भीमराव अंबेडकर के छायाचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर कार्यक्रम की शुभारंभ गया। इस कार्यक्रम में समाज के सभी जाति,वर्ग के लोग उपस्थित रहे व सभी ने एकजुट होकर छुआछूत की भावना को त्यागने के लिए एक साथ बैठकर भोजन ग्रहण किए, साथ ही ग्रामीणों में सद्भावना बढ़ाने कुर्सी दौड़ का आयोजन किया गया। शिविर में आदिम जाति कल्याण विभाग की सहायक आयुक्त श्रीमती उषा लकड़ा ने संविधान के अनुच्छेद 17 तथा विभिन्न अश्पृश्यता निषेध नियमों का उल्लेख करते हुए, इस कार्यक्रम के महत्व और उद्देश्य पर प्रकाश डाला। मुख्य अतिथि जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती वंदना राजवाडे ने छुआछूत से बचने की सलाह दी साथ ही लोगों में समानता का भाव बनाए रखने के लिए आव्हान की। बैकुण्ठपुर जनपद अध्यक्ष श्री उदय सिंह ने कहा कि सभी मनुष्यों का रक्त समान है, इसलिए जाति भेद की भावना रखना उचित नहीं हम सब इंसान है और इंसानियत हमारा धर्म है। इस कार्यक्रम में जनपद पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी बैकुण्ठपुर श्री सिद्धार्थ खैरवार सहित अन्य गणमान्य नागरिक मौजूद रहें।

दो जिलों में एक जैसी गड़बड़ी...

क्या मंत्री के 'खास अधिकारी' को संरक्षण?

दो जिलों में एक जैसी गड़बड़ी और दोनों जगह एक ही अधिकारी!

क्या यह सिर्फ इत्तेफाक या फिर संगठित भर्ती-तंत्र?

एमसीबी में गड़बड़ी के आरोप झेलने वाला अधिकारी सूरजपुर में भी भर्ती विवाद के बीच...क्या विशेष संरक्षण मिला?

महिला बाल विकास मंत्री के ही संभाग में दो जिलों में गड़बड़ी...क्या मंत्रालय को इसकी भनक नहीं?

अभ्यर्थियों की शिकायतें कलेक्टर के पास लंबित...फिर भी चयन सूची जारी, शपथ-पत्र लेना शुरू

दो जिलों में एक जैसे विवाद...यह संयोग है या 'समझी-समझाई योजना'?

एमसीबी और सूरजपुर...दोनों जिलों की महिला एवं बाल विकास भर्ती में अनुभव प्रतिशत अंक हेराफेरी का समान पैटर्न

दोनों जिलों में एक ही अधिकारी की भूमिका पर उठे सवाल...क्या मंत्री स्तर पर कोई विशेष संरक्षण?

कलेक्टर को दिए गए दर्जनों आवेदन लंबित...फिर भी चयन सूची जारी,अभ्यर्थी भड़क उठे...'यह खेल पहले से तय...

इंटरव्यू में 'कॉल कर बुलाए जाने' का आरोप, चयनितों से शपथ-पत्र...गड़बड़ी स्वीकारने जैसा प्रशासनिक कदम...

शमरोज खान

सूरजपुर/एमसीबी, 01 दिसंबर 2025 (घटती-घटना)। महिला एवं बाल विकास विभाग की भर्तियों में लगातार गड़बड़ी के आरोपों के बीच अब सबसे बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि क्या दो जिलों में एक जैसी गड़बड़ी करने वाले अधिकारी को किसी मंत्री का संरक्षण प्राप्त है? जो अधिकारी एमसीबी में भर्ती विवादों के केंद्र में था उसे सूरजपुर में भी वही जिम्मेदारी और वही प्रक्रिया क्यों सौंप दी गई? क्या यह महज इत्तेफाक है? या कोई समझी-बूझी साजिश, जिसकी परतें अब खुलनी शुरू हुई हैं? महिला एवं बाल विकास विभाग की भर्ती में प्रदेश के दो जिलों मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर और सूरजपुर में एक जैसी गड़बड़ी सामने आने से अब पूरा संभाग राजनीतिक और प्रशासनिक सवालों में घिर गया है, दोनों जिलों में अनुभव बदलना, प्रतिशत में मनमानी,अंक जोड़ना-घटाना,फेवरिट नामों को लाभ देना,अपात्रों को पात्र सूची में चढ़ा देना,शिकायतों को नजरअंदाज करना जैसे गंभीर आरोप लगे हैं,और सबसे बड़ा सवाल यह है कि दोनों जिलों की इस गड़बड़ी में जिस अधिकारी की भूमिका सामने आ रही है,वह एक ही है। बता दे की दो जिलों की गड़बड़ी अब एक जिले का मामला नहीं,एक सिस्टम का संकट बन चुकी है,जब शिकायतें नजरअंदाज हों, चयन सूची जल्दी जारी हो, एक ही अधिकारी दो जिलों में विवादों में घिरा हो, और मंत्री स्तरीय मौन बना रहे तो यह मामला अब उच्च स्तरीय जांच,विभागीय ऑडिट, और निलंबन कार्रवाई की माँग करता है।

घटती घटना | सरगुजा - अंतर्राष्ट्रीय समाचार | अम्बिकापुर,शुक्रवार 28 नवम्बर 2025 | 4

दो जिलो में गबंडी, एक ही अजिरो? क हीर्सक

दो जिलों में गड़बड़ी...और दोनों जगह एक ही अधिकारी...क्या यह सिर्फ संयोग?

दो जिलों की दो अलग भर्तियाँ लेकिन गड़बड़ी का पैटर्न एक जैसा...क्या यह सिर्फ इत्तेफाक?

- दो जिलो में भर्ती विवाद...और शिकायतों में बार-बार एक ही अधिकारी का नाम।
- फर्जी अनुभव प्रमाण-पत्र,गलत स्कोरिंग,पसंदीदा चेहरों को लाभ...पूर्व विधायक का गंभीर आरोप
- महिला-बाल विकास एवं मिशन वात्सल्य केंद्रों में बड़ी गड़बड़ी का आरोप।
- चयनित 28 लोगों की पूरी लिस्ट प्रशासन के सामने,दस्तावेज सत्यापन की मांग तेज

एमसीबी और सूरजपुर दोनों जगह भर्ती विवाद में एक ही अधिकारी का नाम सामने आने से पारदर्शिता पर बड़े सवाल

WCD

अभ्यर्थी बोले:हम हाई कोर्ट जाएंगे...ये भर्ती धोखा है...

कलेक्टर के स्तर पर कोई सुनवाई न होने पर दोनों जिलों के अभ्यर्थी हाई कोर्ट में याचिका दाखिल करने जा रहे हैं उनका आरोप है यह संगठित भर्ती घोटाला है एक अधिकारी,दो जिले,एक जैसा खेल

सवाल-1: एमसीबी में गड़बड़ी में घिरे अधिकारी को सूरजपुर क्यों बुलाया गया? जिन अधिकारी पर एमसीबी जिले में प्रतिशत बदलने,अनुभव मिलाने-जोड़ने,फेवरेट उम्मीदवारों को लाभ देने जैसे गंभीर आरोप लगे थे...उसी अधिकारी को सूरजपुर जिले में भी भर्ती प्रक्रिया का प्रभारी बनाना कई संदेह खड़े करता है, क्या किसी को जानबूझकर दूसरे जिले में भेजकर वही खेल दोहराया गया?

सवाल-2: क्या मंत्री अपने ही संभाग में ऐसी गड़बड़ी बर्दाश्त कर सकती हैं? गड़बड़ी का दायरा सिर्फ एक जिले तक नहीं रहा अब संभाग के दो जिले (एमसीबी और सूरजपुर) एक जैसे विवाद में घिर चुके हैं,यदि मंत्री को इसकी जानकारी नहीं है तो यह विभागीय विफलता है और अगर जानकारी है तो यह राजनीतिक संरक्षण का संकेत।

पैटर्न एक,जिले दो और अधिकारी एक

एमसीबी की भर्ती पर शुरू में सवाल उठे, वहीं आरोप अब सूरजपुर तक पहुंच गए,और दोनों जगह भर्ती का तरीका लगभग कॉपी-पेस्ट जैसा है, दोनों जिलों में एक ही श्रेणी की गलतियाँ,एक जैसे चयन पैटर्न,और एक जैसी हेराफेरी इसके बाद यह संदेह मजबूत हुआ कि क्या किसी विशेष अधिकारी को यही भूमिका निभाने के लिए जानबूझकर दूसरे जिले भेजा गया?

मंत्री के खास बताए जाते हैं जिला कार्यक्रम अधिकारी शुभम बंसल पर गंभीर आरोप

सूत्रों व अभ्यर्थियों का दावा है कि जिला कार्यक्रम अधिकारी शुभम बंसल को मंत्री का नज़दीकी माना जाता है मनेन्द्रगढ़ (एमसीबी) में जिनकी नियुक्तियों पर सवाल उठे अब वही सूरजपुर जिले की चयन प्रक्रिया में निर्णायक भूमिका निभा रहे हैं, यह भी समझ से परे है कि दो जिलों में एक ही अधिकारी के रहते एक जैसी गड़बड़ी सामने आना सिर्फ संयोग कैसे हो सकता है?

मंत्री के संभाग में दो जिलों की गड़बड़ी...क्या संरक्षण?

यह पूरा विवाद महिला एवं बाल विकास मंत्री के ही संभाग में हुआ है दो जिलों में एक जैसी गड़बड़ी होने के बावजूद,कोई निलंबन नहीं, कोई जांच नहीं, कोई शो-काज़ नोटिस नहीं, न ही चयन पर रोक,क्या यह अधिकारी किसी मंत्री या विभागीय लॉबी के विशेष संरक्षण में है? यह सवाल अब ज़ोरों से उठ रहा है,क्या दो जिलों में एक जैसे आरोपों में घिरे अधिकारी को किसी मंत्री का संरक्षण प्राप्त है? यदि नहीं तो फिर गड़बड़ी वाले अधिकारी को नई जिम्मेदारी क्यों मिली? शिकायतों की जांच बंद क्यों पड़ी? चयन सूची इतनी जल्दी क्यों जारी हुई? शपथ-पत्र की मजबूरी क्यों? दो जिलों में एक जैसे पैटर्न कैसे बने? और यदि हाँ, तो यह भ्रष्टाचार का संगठित मॉडल है,जो महिलाओं-शिशु कल्याण जैसे संवेदनशील विभाग में चल रहा है।

रीता मिंज को कथित रूप से 'कॉल कर बुलाया गया'...नया विस्फोट

सूत्रों के अनुसार,रीता मिंज,जो पहले सरगुजा चाइल्ड हेल्पलाइन में कार्यरत थीं, उन्हें अधिकारियों द्वारा इंटरव्यू के लिए बुलाया गया बताया जा रहा है, यह आरोप भर्ती की निष्पक्षता पर सीधे प्रहार करता है कि क्या चयन सूची पहले से 'फिक्स' थी?

शुभम बंसल पर गंभीर आरोप... दोनों जिलों में एक जैसा खेल

जिला कार्यक्रम अधिकारी शुभम बंसल पर दोनों जिलों में गड़बड़ी का नेतृत्व करने के आरोप हैं, अभ्यर्थियों का आरोप है कि एमसीबी में जो हुआ, वही सूरजपुर में भी हुआ और दोनों जगह वही अधिकारी था, शुभम बंसल को मंत्री का करीबी बताने की चर्चाएँ भी चल रही हैं, जिससे यह विवाद और गहरा गया है।

कलेक्टर को आवेदन लंबित... लेकिन चयन सूची जारी

सैकड़ों अभ्यर्थियों ने गलत अनुभव अंक,प्रतिशत में बदलाव, फेवरिटिज़्म,गलत दस्तावेज़ मिलान जैसी शिकायतें सूरजपुर कलेक्टर को दीं,परंतु जांच से पहले ही चयन सूची जारी कर दी गई,यह एक बड़ा सवाल बन गया है कि क्या जिला कार्यक्रम अधिकारी कलेक्टर से भी अधिक शक्तिशाली?

चयनित अभ्यर्थियों से 'शपथ-पत्र' क्यों?

सबसे चौंकाने वाली जानकारी जिला कार्यक्रम अधिकारी चयनित उम्मीदवारों से शपथ पत्र भरवा रहे हैं, शपथ पत्र में लिखा है यदि आपके अनुभव या अंक में कोई गड़बड़ी मिली तो कार्रवाई की जाएगी अर्थात जिन्हें चयनित कर दिया गया है...उन्हीं से गड़बड़ी स्वीकारने की संभावना वाला शपथपत्र...यह कैसा चयन है जिसमें अधिकारी खुद मान रहा है कि गड़बड़ी हो सकती है? कानूनी मोड़ लेने वाला है।

अंतिम सवाल

क्या दो जिलों में एक जैसी गड़बड़ी... एक ही अधिकारी और समान पैटर्न–सिर्फ संयोग है?

या फिर इसमें मजबूत राजनीतिक प्रशासनिक संरक्षण काम कर रहा है?

विश्व एड्स दिवस पर जिले में जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

-संवाददाता-

कोरबा,01 दिसंबर 2025 (घटती-घटना)। विश्व एड्स दिवस के अवसर पर जिले में जागरूकता अभियान जोर पकड़ रहा है। जिला एड्स नियंत्रण समिति और जिला स्वास्थ्य समिति के संयुक्त तत्वावधान में जिला चिकित्सालय परिसर में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया,जिसका उद्देश्य आमजन को एचआईवी/एड्स से संबंधित सावधानियों, बचाव और उपचार संबंधी जानकारी से अवगत कराना रहा। कार्यक्रम में रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें प्रतिभागियों ने एड्स जागरूकता पर आधारित संदेशों को आकर्षक रंगोली के माध्यम से प्रस्तुत किया। इसके अलावा जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया, जो शहर के विभिन्न क्षेत्रों में पहुंचकर लोगों को एड्स से जुड़ी सही जानकारी, भ्रांतियों का समाधान और निःशुल्क परीक्षण की उपलब्धता के बारे में जानकारी दे रहा है। अधिकारियों ने बताया कि अभियान का उद्देश्य समाज में एड्स के प्रति जागरूकता बढ़ाना और संक्रमण से बचाव के उपायों को आम लोगों तक सरल भाषा में पहुंचाना है। कार्यक्रम में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी, चिकित्सकीय कर्मचारी,स्वयंसेवी संस्थाओं के सदस्य और स्थानीय नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

महाविद्यालय रामानुजनगर में प्रदूषण मुक्त हरित पर्यावरण के महत्व पर जागरूकता कार्यक्रम का किया गया आयोजन

-संवाददाता-

सूरजपुर,01 दिसंबर 2025 (घटती-घटना)। जिले के महाविद्यालय रामानुजनगर में प्रदूषण मुक्त हरित पर्यावरण के महत्व पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री एस. जयवर्धन के आदेशानुसार तथा कार्यक्रम अधिकारी श्री शुभम बंसल के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में प्रदुषण मुक्त हरित पर्यावरण के महत्व पर जागरूकता एवं छात्र छात्राओं को महिलाओं के साथ होने वाले हिंसा से बचने के लिए सशक्त बनने और जागरूक होने हेतु प्रेरित किया गया।

इसके साथ में घरेलू हिंसा, अधिनियम, टोनही प्रताड़ना अधिनियम कार्यस्थल पर महिलाओं का लैंगिक उत्पीड़न अधिनियम,सखी वन स्टॉप सेंटर एवं टोल फ्री नंबर 1098, 181, 112 की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में श्रीमती इंद्र कुमारी तिवारी, श्रीमती विनीता सिन्हा, श्रीमती शारदा सिंह एवं प्रचार्य तथा छात्र-छात्रायें उपस्थित रहे।

ग्राम मड़वारानी में 144 बोरी अवैध धान किया गया जब्त

-संवाददाता-

कोरबा,01 दिसंबर 2025 (घटती-घटना)। कोरबा-चांपा मार्ग के ग्राम मड़वारानी अंतर्गत अवैध धान खरीदी के आरोपों पर बरपाली तहसीलदार ने ताबड़तोड़ छापा मार कार्यवाही की। जिसके अंतर्गत एक जनरल स्टोर से 144 बोरी धान जप्त किया गया हैं। बताया जा रहा हैं की दुकानदार की ऊँची पहुँच की अकड़ भी इस कार्यवाही पश्चात निकल गयी। जानकारी के अनुसार एक स्थानीय पत्रकार की शिकायत पश्चात बरपाली तहसीलदार सत्यपाल राय और उनकी टीम तुरंत मौके पर पहुंचे। दुकान जांच में पता चला कि यहां लंबे समय से अवैध धान की खरीदी-बिक्री का काम चल रहा था। प्रशासन ने मौके से 144 बोरी धान जब्त करने की कार्यवाही की। तहसीलदार ने दुकानदार को साफ चेतावनी दी है कि दोबारा शिकायत मिली तो एफआईआर और दुकान सील की कार्यवाही की जाएगी। इस कार्यवाही से अवैध धान कारोबारियों में दहशत का माहौल व्याप्त हो गया हैं।

आवश्यकता है

दैनिक समाचार पत्र में कार्य करने हेतु निम्न पदों के लिए योग्य कर्मठ, जुझारू, महिला/पुरूष की आवश्यकता है।

स.क्र.	पद	संख्या	वेतन
01	सह संपादक	1 पद	15,000
02	समाचार संपादक	1 पद	15,000
03	प्रबंध संपादक	1 पद	15,000
04	विज्ञापन प्रभारी	2 पद	10,000 से 15,000
05	ब्यूरो चीफ	1 पद	10,000 से 15,000
06	संवाददाता	2 पद	8000 से 12,000
07	कार्यालय सहायक	1 पद	7000

नोट:- आवेदक फोन पर संपर्क ना करें। स्वयं बायोडाटा के साथ कार्यालय में संपर्क करें।

पता-कार्यालय दैनिक समाचार पत्र घटती-घटना शनि मंदिर के पास, नमनाकला, अम्बिकापुर छत्तीसगढ़, मो.नं. - 98265-32611

साउथ डायरेक्टर दिलाएंगे सलमान खान को खोया हुआ मुकाम

क्या 2026 में कमबैक करेंगे भाईजान?

आजकल बॉलीवुड स्टार्स साउथ डायरेक्टर्स के साथ काम करके अपना करियर चमका रहे हैं। शाह रुख खान और रणबीर कपूर के धमाकेदार कमबैक के बाद अब सलमान खान के फैंस भी उनके कमबैक का इंतजार कर रहे हैं। ऐसे में उनके लिए एक खुशखबरी है कि सलमान खान भी एक साउथ डायरेक्टर के साथ कमबैक कर सकते हैं।

हाल के सालों में तेलुगु सिनेमा को दुनिया भर में तारीफ मिलने के साथ बॉलीवुड एक्टर टॉलीवुड फिल्मों में काम करने और साउथ के फिल्ममेकर्स के साथ काम करने को तैयार हैं। कई हिंदी एक्टर तेलुगु और तमिल के टैलेंटेड डायरेक्टर्स के साथ मिलकर बड़ी हिट फिल्में देने के लिए आगे आ रहे हैं। शाहरुख खान ने 2023 में एटली की जवान के साथ एक बड़ी ब्लॉकबस्टर फिल्म दी और रणबीर कपूर ने संदीप रेड्डी की एनिमल के साथ जबरदस्त हिट फिल्म दी।

साउथ डायरेक्टर की फिल्म में नजर आएंगे भाईजान

अब एक और टॉप लीग बॉलीवुड स्टार एक साउथ इंडियन डायरेक्टर के साथ काम करने जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक सलमान खान 2026 में एक बड़े बजट की फिल्म के लिए मशहूर प्रोड्यूसर दिल राजू के साथ काम करने के लिए मान गए हैं। डायरेक्टर वामशी पैडिपल्ली, जिन्होंने मुन्ना,बृंदावनम,येवडू, महर्षि और वारिसु (वारासुडू) जैसी फिल्मों के लिए इसी प्रोडक्शन हाउस के तहत काम किया था। उन्होंने कथित तौर पर सलमान खान के लिए एक स्क्रिप्ट तैयार कर ली है और प्रोजेक्ट को सेट पर लाने के लिए फाइनल अप्रूवल भी ले लिया है।

लंबे वक्त से सलमान की नहीं आई हिट फिल्म

सलमान खान की हाल की फिल्में,दबंग 3 और टाइगर 3 को छोड़कर, बॉक्स ऑफिस पर कोई खास असर नहीं डाल पाईं। यहां तक कि उनकी पिछली फिल्म सिकंदर भी बुरी तरह फ्लॉप रही, इसे मुरुगदौस ने डायरेक्ट किया था। वह अपनी अगली फिल्म से जबरदस्त वापसी की उम्मीद कर रहे हैं और उन्होंने वामशी पैडिपल्ली की स्क्रिप्ट फाइनल कर ली है।

सलमान को है बड़ी हिट की जरुरत

दूसरी तरफ वामशी पैडिपल्ली पिछले दो साल से अपनी स्क्रिप्ट के लिए एक सही बॉलीवुड हीरो का इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने पहले आमिर खान को एक स्क्रिप्ट सुनाई थी,लेकिन पता नहीं क्यों प्रोजेक्ट शुरू नहीं हो पाया। थलपति विजय के साथ उनकी पिछली फिल्म वरसुडू को दर्शकों से मिला-जुला रिस्पॉन्स मिला था। इसलिए, वह नए जमाने के फिल्ममेकर्स से भारी कॉम्पिटिशन के बीच टिके रहने के लिए एक बड़ी हिट देना चाहते हैं। अब देखना होगा कि वामशी पैडिपल्ली सलमान खान के साथ कुछ बड़ा कर पाते हैं या नहीं?

डांस को लेकर सरोज खान से माधुरी दीक्षित ने किया था वादा,बाद में हुआ पछतावा

अभिनेत्री माधुरी दीक्षित को हिंदी सिनेमा की डांसिंग क्वीन कहा जाता है। हाल ही में माधुरी ने दिवंगत डांस कोरियोग्राफर सरोज खान संग किए गए एक वादे को लेकर खुलासा किया है...

एक दो तीन...और चोली के पीछे क्या है...जैसे आईकॉनिक डांस नबंर्स में जान फूंकने वाली अभिनेत्री माधुरी दीक्षित को हिंदी सिनेमा की डांसिंग क्वीन कहा जाता है। माधुरी को टॉप का डांसर बनाने में बॉलीवुड की फेमस डांस कोरियोग्राफर रहीं सरोज खान का अहम योगदान रहा। हाल ही में एक मीडिया इंटरव्यू के दौरान माधुरी दीक्षित ने सरोज खान को लेकर खुलकर बात की है और बताया है कि इन दोनों ने आपस में एक वादा किया था,जिस पर बाद में पछतावा हुआ था। आइए जानते हैं कि आखिर वह वादा कौन सा था।

सरोज संग माधुरी का वो वादा

इन दिनों माधुरी दीक्षित अपनी अपकमिंग वेब सीरीज मिसेज देशपांडे के प्रमोशन में बिजी चल रही है। इस लिहाज से हाल ही में माधुरी ने समाचार एजेंसी को लेटेस्ट इंटरव्यू दिया है और इस दौरान उन्होंने सरोज खान को लेकर खुलकर बात की। एक्ट्रेस ने बताया- मैंने तेजाब से पहले से सरोज खान के साथ काम करना शुरू किया। उत्तर दक्षिण और भी कई इंडियन डांस से भरपूर फिल्मों में हम दोनों ने साथ में काम किया। स्टेज पर डांस करना मुझे काफी अच्छा लगता था और इस मामले में मैं एक्सपर्ट भी थी। लेकिन फिल्मों में ऐसा करना थोड़ा चुनौतीभरा था,जिसमें सरोज खान ने मेरी काफी मदद की। तेजाब के एक दो दिन गाने के बाद हम दोनों ने आपस में ये वादा किया था कि कभी भी किसी गाने के डांस स्टेप्स को रिपीट नहीं करेंगे। ऐसा इसलिए था कि हम हर गाने को फ्रेश और नया बनाना चाहते थे। लेकिन आगे चलकर हमें इस पर अफसोस करना पड़ा और सरोज को इस वादे को लेकर पछतावा भी हुआ। इस तरह से सरोज खान संग वादे को लेकर माधुरी दीक्षित ने खुलकर बात की। मालूम हो कि माधुरी दिवंगत डांस कोरियोग्राफर सरोज खान का अपना डांसिंग गुरु मानती थीं।

मिसेज देशपांडे में माधुरी का नया अंदाज

मौजदा समय में वेब सीरीज मिसेज देशपांडे को लेकर अभिनेत्री माधुरी

दीक्षित का नाम लगातार सुर्खियां बटोर रहा है। इस सीरीज में माधुरी साइको सीरियल किलर की भूमिका निभाती हुई नजर आएंगे। गौर करें मिसेज देशपांडे की रिलीज डेट की तरफ तो 19 दिसंबर को इस सीरीज को ओटीटी प्लेटफॉर्म जियो हॉटस्टार पर ऑनलाइन स्ट्रीम कर दिया जाएगा।

2 साल पहले आज ही के दिन रिलीज हुई थी ये ब्लॉकबस्टर,100 करोड़ की फिल्म ने कमाए 900 करोड़,ओटीटी पर भी कर चुकी राज

संदीप रेड्डी वांगा की एनिमल को थिएटर में रिलीज हुए दो साल पूरे हो गए हैं। ऐसे में अनिल कपूर ने फिल्म के सेट की यादें ताजा की हैं। रणबीर कपूर की यह फिल्म जो 1 दिसंबर, 2023 को सिनेमाघरों में आई थी। उस साल की सबसे

बड़ी बॉक्स ऑफिस हिट फिल्मों में से एक और रणबीर के करियर की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन गई। सोमवार को अनिल कपूर ने पर्दे के पीछे की तस्वीरों का एक कोलाज शेयर किया, जिसमें वह डायरेक्टर संदीप रेड्डी वांगा और रणबीर कपूर नजर आ रहे हैं। 2023 की इस ब्लॉकबस्टर ने जीते थे तीन अवॉर्ड

इस साल की शुरुआत में एनिमल को 71वें नेशनल फिल्म अवॉर्ड्स में तीन अवॉर्ड मिले, जिसमें बेस्ट म्यूजिक डायरेक्शन (बैकग्राउंड म्यूजिक), स्पेशल मेंशन (री-रिकॉर्डिंग मिक्सर) और बेस्ट साउंड डिजाइन शामिल हैं। इस कामयाबी का जश्न मनाते हुए अनिल कपूर ने सोशल मीडिया पर एक बधाई मैसेज शेयर किया था, जिसमें लिखा था, टीम एनिमल को बहुत-बहुत बधाई!

धनुष के साथ डेटिंग अफवाहों पर मृणाल ठाकुर ने तोड़ी चुप्पी

मृणाल ठाकुर ने हाल ही में धनुष के साथ चल रही डेटिंग अफवाहों पर रिएक्शन दिया है। हाल ही में श्रेयस अय्यर के साथ भी एक्ट्रेस की डेटिंग अफवाहें उड़ी थीं जिन पर भी एक्ट्रेस का रिएक्शन आया है।

बॉलीवुड एक्ट्रेस मृणाल ठाकुर कुछ हफ्ते पहले तब सुर्खियों में आईं जब सोशल मीडिया पर धनुष के साथ उनकी डेटिंग की अफवाहें सामने आईं। एक-दूसरे के पोस्ट पर उनके कमेंट्स के स्क्रीनशॉट वायरल हो गए और इनसे अटकलों को हवा मिली। हालांकि दोनों में से किसी ने भी अफवाहों पर कोई रिएक्शन नहीं दिया। अब पर एक वायरल पोस्ट में दावा किया गया है कि मृणाल पिछले कुछ महीनों से क्रिकेटर श्रेयस अय्यर को डेट कर रही हैं और वे चीजों को लो-प्रोफाइल रख रहे हैं। पोस्ट के वायरल होने के एक दिन बाद मृणाल ठाकुर ने इस पर रिएक्शन दिया।

मृणाल ठाकुर ने दिया डेटिंग अफवाहों पर रिएक्शन

मृणाल ने सीधे तौर पर डेटिंग की अटकलों का जिक्र नहीं किया, लेकिन उन्होंने अपने बारे में अफवाहों को हंसी में उड़ा दिया और कहा कि ये सब फ्री पीएआर का काम है। रविवार रात,मृणाल ठाकुर ने एक इंस्टाग्राम स्टोरी शेयर की,जिसमें ऐसा लग रहा था कि वह अपने बारे में उड़ रही डेटिंग की अफवाहों पर रिएक्ट कर रही हैं। हालांकि उन्होंने सीधे तौर पर अफवाहों पर बात नहीं की, लेकिन उन्होंने अपना एक वीडियो शेयर किया जिसमें वह हंस रही हैं और उनकी मां उन्हें चंपी दे रही हैं। अपने मजेदार कैप्शन में उन्होंने श्रेयस अय्यर से जुड़ी अफवाहों पर मजाक उड़ाया है।

श्रेयस के साथ उड़ रही अफवाहों पर किया रिएक्ट

वायरल हो रहे पोस्ट में दावा किया गया है कि मृणाल और श्रेयस अय्यर कुछ महीनों से चुपचाप एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं और उनका रिश्ता अभी शुरुआती स्टेज में है। पोस्ट में दावा किया गया है कि वे अपने रिश्ते को सीक्रेट रख रहे हैं क्योंकि वे बेवजह मीडिया अटेंशन नहीं चाहते हैं। हालांकि, मृणाल के लेटेस्ट पोस्ट से पता चलता है कि इन अफवाहों में कोई सच्चाई नहीं हो सकती है।

मृणाल का वर्कफ्रंट

वर्कफ्रंट की बात करें तो मृणाल ठाकुर को आखिरी बार अजय देवगन स्टारर 'सन ऑफ सरदार 2' में देखा गया था। इसके बाद, वह डेविड धवन की डायरेक्ट की हुई है जवानी तो इश्क होना है में दिखेंगी। मृणाल के साथ फिल्म में वरुण धवन, पूजा हेगड़े, मौनी रॉय, जिमी शेरगिल, चंकी पांडे और मनीष पॉल हैं। वहीं अदिवी सेष के साथ डकैत भी पाइपलाइन में हैंइसके अलावा उन्होंने हाल ही में सिद्धांत चतुर्वेदी के साथ अपनी अगली रोमांटिक ड्रामा 'दो दीवाने शहर में' अनाउंस की। मेकर्स ने पहले एक क्रिएटिव टाइटल रिवील टीजर पोस्ट किया, उसके बाद पहला पोस्टर जिसमें मृणाल और सिद्धांत हैं। फिल्म 20 फरवरी, 2026 को रिलीज होने वाली है।

खेल-समाचार

क्या आईपीएल के मैच बेंगलुरु में नहीं होंगे

» कमेटी ने चिन्नास्वामी स्टेडियम पर सवाल उठाए थे...

» पास करना होगा फिटनेस टेस्ट

बेंगलुरु,01 दिसम्बर 2025। आईपीएल के मैच बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में होंगे या नहीं, यह अभी तय नहीं है। स्टेडियम में दोबारा मैच कराने से पहले विशेषज्ञों से सुरक्षा मंजूरी और फिटनेस टेस्ट दोनों पास करना जरूरी होगा।

विमेंस वर्ल्ड कप के समय जस्टिस डी'कुन्हा कमेटी ने भी इस ग्राउंड को बड़े आयोजनों के लिए असुरक्षित बताया था। इस साल आरसीबी की पहली आईपीएल ट्रॉफी जीत के बाद स्टेडियम में विक्ट्री परेड हुई थी। लेकिन उसके बाहर भारी भीड़ के कारण भगदड़ मच गई, जिसमें 11 लोगों की मौत हो गई और 50 से ज्यादा लोग घायल हुए थे।

कमेटी ने स्टेडियम में खामियां बताईं

स्टेडियम में 4 जून को हुई भगदड़ के बाद इस घटना की जांच के लिए जस्टिस जॉन माइकल डी'कुन्हा की अगुआई में एक कमेटी बनाई गई थी। जिसकी रिपोर्ट में स्टेडियम से जुड़ी कई कमियां सामने आईं। रिपोर्ट में कहा गया कि- स्टेडियम की मौजूदा संरचना बड़े आयोजनों के लिए सुरक्षित नहीं है।

* एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में एंट्री और एग्जिट गेट पर्याप्त नहीं हैं।
* आपात स्थिति में निकासी की अंतरराष्ट्रीय मानकों वाली प्लानिंग मौजूद नहीं है।
* स्टेडियम के आसपास की सड़कें बेहद भीड़भाड़ वाली हैं, जिससे आपात हालात में मूवमेंट कठिन हो जाता है।
* पार्किंग बेहद कम है, जिससे ट्रैफिक और भीड़ नियंत्रण बिगड़ता है।

इस रिपोर्ट के बाद आईसीसी महिला वर्ल्ड कप 2025 के मैच भी बेंगलुरु से हटाकर नवी मुंबई में कराए गए। वहीं घरेलू टी-20 लीग महाराजा टी-20 ट्रॉफी को भी बेंगलुरु की जगह मैसूर में शिफ्ट करना पड़ा था।

फिटनेस टेस्ट पास करना होगा

अब बड़ा सवाल यह है कि क्या आईपीएल 026 में बेंगलुरु को अपने होम मैच मिल पाएंगे? कर्नाटक सरकार ने चिन्नास्वामी स्टेडियम को फिटनेस टेस्ट पास करने का आदेश दिया है। इसके लिए लोक निर्माण विभाग ने कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ को नोटिस भेजा है। केएससीए को एनएबीएल प्रमाणित विशेषज्ञों से स्टेडियम की स्ट्रक्चरल सेफ्टी रिपोर्ट जमा करनी होगी।

विशेषज्ञ के सुरक्षित बताने के बाद ही मैच हो पाएंगे

स्टेडियम में आईपीएल मैच तभी हो पाएंगे, जब विशेषज्ञ इसकी संरचना को पूरी तरह सुरक्षित घोषित करेंगे। अगर चिन्नास्वामी स्टेडियम फिटनेस टेस्ट में पास नहीं हुआ, तो आरसीबी को अपने घरेलू मुकाबले बेंगलुरु के बाहर खेलने पड़ सकते हैं।

आईपीएल की शुरुआत 15 मार्च से हो सकती है

आईपीएल 2026 की शुरुआत 15 मार्च से होने की संभावना है, जबकि फाइनल 31 मई को खेला जा सकता है। इससे पहले 16 दिसंबर को अबू धाबी में मिनी ऑक्शन आयोजित होगी।

बेंगलुरु में हुई भगदड़ में 11 लोगों की मौत

जून में आरसीबी की पहली आईपीएल जीत के जश्न के दौरान चिन्नास्वामी स्टेडियम के आसपास भगदड़ मच गई थी। इस दर्दनाक हादसे में 11 लोगों की मौत हो गई थी और 50 से ज्यादा लोग घायल हुए थे।

हरेंद्र सिंह ने पर्सनल कारणों से भारतीय महिला हॉकी टीम से दिया इस्तीफा

नई दिल्ली,01 दिसम्बर 2025। भारतीय महिला हॉकी टीम के चीफ कोच हरेंद्र सिंह ने सोमवार को पर्सनल कारणों का हवाला देते हुए अपने पद से इस्तीफा दे दिया। हॉकी इंडिया को भेजे एक ईमेल में हरेंद्र ने तुरंत अपने इस्तीफे की घोषणा की। हरेंद्र ने टीम को कोच करने का मौका मिलने के लिए शुक्रिया अदा करते हुए कहा कि यह उनके करियर का सबसे खास पल रहा है। हालांकि वह पर्सनल कारणों से पद छोड़ रहे हैं,लेकिन वह टीम की लगातार सफलता का सपोर्ट करते रहेंगे। उन्होंने भारतीय हॉकी को आगे बढ़ाने के लिए हॉकी इंडिया की कोशिशों को सपोर्ट करते रहने का भी वादा किया।

हरेंद्र ने कहा,भारतीय महिला हॉकी टीम को कोचिंग देना मेरे लिए सौभाग्य की बात रही है,जो मेरे करियर का सबसे खास पल रहा है। हालांकि पर्सनल कारणों से मुझे हटना पड़ रहा है,लेकिन मेरा दिल इस असाधारण टीम और उनकी लगातार सफलता के साथ है। उन्होंने आगे कहा,मैं हॉकी इंडिया के साथ अपने सफर को हमेशा संजो कर रखूंगा और भारतीय हॉकी को कामयाबी के सबसे ऊंचे लेवल पर ले जाने की उनकी कोशिशों का सपोर्ट करता रहूंगा।

सूत्रों का कहना है कि डच कोच शोर्ड मारिन,जिन्होंने 2021 में टोक्यो ओलंपिक्स में टीम को चौथा स्थान दिलाया था, चीफ कोच के तौर पर वापस आ सकते हैं। मारिन ने अगस्त 2021 में अपने पद से इस्तीफ़ा दे दिया था। हॉकी इंडिया के प्रेसिडेंट डॉ. दिलीप टिर्की ने हरेंद्र की सेवाओं के लिए शुक्रिया अदा करते हुए कहा, हम हरेंद्र सिंह को उनकी सेवाओं और उनके शानदार अनुभव के लिए धन्यवाद देते हैं। भारतीय हॉकी के विकास के प्रति उनका कमिटमेंट दुनिया भर की हॉकी कम्युनिटी में जाना जाता है। हम जल्द ही एक सही रिप्लेसमेंट की घोषणा करेंगे, लेकिन हम उन्हें शुभकामनाएं देते हैं। हम हरेंद्र सिंह और टीम में उनके योगदान को अपना सपोर्ट देते हैं। हॉकी इंडिया के सेक्रेटरी जनरल श्री भोला नाथ सिंह ने कहा,हम उन्हें शुभकामनाएं देते हैं और यह पक्का करते हैं कि क्वालिफायर के लिए भारतीय महिला टीम की तैयारी प्लान के मुताबिक जारी रहे।

मैदान पर वापसी को तैयार हार्दिक पंड्या

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में खेलते नजर आएंगे

नई दिल्ली,01 दिसम्बर 2025। भारत के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। पंड्या चोट के कारण लंबे समय तक बाहर रहे हैं, लेकिन अब सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में बड़ौदा की ओर से खेलते दिखेंगे। बड़ौदा क्रिकेट एसोसिएशन (बीसीए) के एक अंदरूनी सूत्र ने

आईएएनएस से इसकी पुष्टि की है। हार्दिक पंड्या श्रीलंका के खिलाफ एशिया कप के सुपर-4 मुकाबले के दौरान चोटिल हुए थे। इसके बाद से पंड्या ने मैदान पर वापसी नहीं की है। हार्दिक पंड्या चोटिल होने की वजह से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीमित ओवरों की सीरीज में नहीं खेल सके थे। इसके बाद उन्हें साउथ अफ्रीका के खिलाफ जारी वनडे सीरीज से भी बाहर बैठना पड़ा है। अब इस ऑलराउंडर को रिटर्न टू प्ले (आरटीपी) क्लीयरेंस मिल गया है। वह बेंगलुरु में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस से बाहर हैं। बीसीए के एक अधिकारी ने आईएएनएस को बताया, ÷क्रिकेट से लंबे अंतराल के बाद हार्दिक पंड्या बड़ौदा के लिए खेलने जा रहे हैं। वह हमारे लिए सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में अगले कुछ मैच खेलेंगे।- हार्दिक पंड्या भारत की तरफ से 11 टेस्ट, 94 वनडे और 120 टी20 मैच खेल चुके हैं। इसके अलावा, उन्होंने 29 फर्स्ट क्लास और 118 लिस्ट-ए मुकाबले खेले।

तान्या चौधरी ने मीट रिकॉर्ड तोड़कर हैमर थ्रो में गोल्ड जीता

जयपुर,01 दिसम्बर 2025। चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी की तान्या चौधरी ने सोमवार को यहां सवाई मानसिंह स्टेडियम में खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स राजस्थान 2025 में महिलाओं की हैमर थ्रो में अपना ही मीट और ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी रिकॉर्ड तोड़कर गोल्ड मेडल जीता,जबकि जैन यूनिवर्सिटी की कीर्तना और शिवाजी यूनिवर्सिटी के रुषिप्रसाद देसाई को सबसे तेज़ महिला और पुरुष एथलीट का ताज पहनाया गया। केआईयूजी 2025 का पांचवां एडिशन राजस्थान के सात शहरों में हो रहा है। 222 यूनिवर्सिटी के 4448 एथलीट 23 मेडल डिसिप्लिन में मुकाबला कर रहे हैं। केआईयूजी की एक रिलीज़ के मुताबिक, ये गेम्स स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ़ इंडिया के अंदर और राजस्थान स्टेट स्पोर्ट्स काउंसिल के साथ मिलकर हो रहे हैं और पूर्णिमा यूनिवर्सिटी इसे होस्ट कर रही है। हांग्जो एशियन गेम्स में हिस्सा लेने वाली तान्या चौधरी ने 64.29 प्रतिशत तक हैमर फेंका, जिससे उन्होंने अपना ही ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी रिकॉर्ड सुधारते हुए केआईयूजी मेडल्स की हैट्रिक पूरी की।

मुख्यमंत्री नगरोत्थान योजना से बदलेगी शहरों की सूरत और सीरत

13 नगर निगमों में आइकॉनिक कार्यों के लिए 429.45 करोड़ के 26 कार्य मंजूर

रायपुर,01 दिसम्बर 2025। छत्तीसगढ़ के शहरों में आइकॉनिक विकास कार्यों के लिए राज्य शासन ने इस साल मुख्यमंत्री नगरोत्थान योजना शुरू की है. पहले चरण में इसे राज्य के सभी 14 नगर निगमों में लागू किया गया है। इसके तहत शहरों में मजबूत अधोसंरचना के विकास के बड़े काम मंजूर किए जा रहे हैं। उप मुख्यमंत्री और नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री अरुण साव के अनुमोदन के बाद योजना के अंतर्गत अब तक 13 नगर निगमों में 26 कार्यों के लिए 429 करोड़ 45 लाख रुपए स्वीकृत किए गए हैं। इनमें मरीन ड्राइव विस्तार, ऑक्सीजोन-कम-स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, अंतरराज्यीय बस टर्मिनल,रोड जंक्शन, हाइटेक बस स्टैंड,ऑडिटोरियम,तालाब सौंदर्यीकरण, उद्यान विकास,जलापूर्ति सुदृढ़ीकरण,कॉरीडोर निर्माण, गौरव पथ निर्माण,सड़क बाइपास एवं चौड़ीकरण जैसे वृहद कार्य शामिल हैं। चालू वित्तीय वर्ष 2025-26 में योजना के लिए 500 करोड़ रुपए का बजट रखा गया है। स्वीकृत कार्यों में से पांच कार्यों के लिए संबंधित फर्म्स को कार्यादेश जारी किए जा चुके हैं। वहीं पांच कार्यों का भूमिपूजन भी हो गया है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने राज्य शासन की महत्वाकांक्षी मुख्यमंत्री नगरोत्थान योजना के बारे में कहा कि इस योजना से शहरों के अधोसंरचना विकास में बड़ा बदलाव आएगा।

शहरों के सतत् विकास और नागरिक केंद्रित समाधानों को ध्यान में रखते हुए यह योजना तैयार की गई है। छत्तीसगढ़ के शहरों को आधुनिक,सुंदर और जीवंत बनाने में यह योजना प्रभावी साबित होगी। शहरों की सूरत और सीरत बदलने में इसकी अहम भूमिका होगी। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने बताया कि जीवंत शहरों के निर्माण और इज ऑफ लीविंग के लिए इस साल के बजट में शामिल कार्ययोजना के अनुसार मुख्यमंत्री नगरोत्थान योजना प्रारंभ की गई है। पहले चरण में राज्य के सभी नगर निगमों को इसमें शामिल किया गया है। चरणबद्ध रूप से इसे सभी नगरीय निकायों में लागू किया जाएगा। योजना के माध्यम से शहरों में बढ़ती आबादी के मद्देनजर सुगम यातायात के लिए मुख्य सड़कों के निर्माण, चौड़ीकरण, बाइपास सड़क, फ्लाई-ओव्हर, सर्विस-लेन, अंडर-पास तथा अन्य बुनियादी ढांचों का विकास किया जाएगा. राज्य के शहरों को सुंदर, आधुनिक, व्यवस्थित और पर्यावरण के अनुकूल बनाने के लिए रिवर-फ्रंट डेवलपमेंट और भव्य उद्यानों का भी निर्माण योजना के तहत किए जाएंगे। योजना में ऐसे आइकॉनिक कार्य व परियोजनाएं ली जाएंगी जो शहर के विकास का उदाहरण बन सके।

मुख्यमंत्री नगरोत्थान योजना से होंगे ये काम

मुख्यमंत्री नगरोत्थान योजना से प्रमुख रूप से मुख्य सड़क निर्माण एवं मुख्य सड़क चौड़ीकरण कार्य, बाइपास रोड निर्माण, मुख्य सड़क में सर्विस रोड निर्माण कार्य, फ्लाई-ओव्हर निर्माण कार्य, अंडर-पास सड़क निर्माण कार्य, जलप्रदाय योजना के कार्य, सीवरेज नेटवर्क निर्माण कार्य, एकीकृत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के कार्य, मुख्य सड़कों में रोटरी चौक निर्माण पुनर्व्यवस्था कार्य, स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स निर्माण, हाइटेक बस स्टैण्ड निर्माण,ऑडिटोरियम निर्माण, भव्य उद्यान विकास एवं रिवर-फ्रंट डेवलपमेंट कार्य तथा पर्यटन स्थलों के विकास के कार्य किए जाएंगे। इनके साथ ही शहर की जरूरत के अनुसार अन्य विशिष्ट कार्य भी किए जाएंगे।

कलेक्टर की अध्यक्षता में गठित समिति करेगी मॉनिटरिंग

मुख्यमंत्री नगरोत्थान योजना के कार्यों की मॉनिटरिंग और निगरानी कलेक्टर की अध्यक्षता में गठित जिला स्तरीय समिति द्वारा की जाएगी। समिति प्रगतिरत कार्यों की नियमित समीक्षा कर समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण कार्य सुनिश्चित करेगी। संबंधित नगर निगम के आयुक्त समिति के सदस्य-सह-सचिव होंगे. वहीं जिले में लोक निर्माण विभाग के कार्यपालन अभियंता और लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन अभियंता समिति के अन्य सदस्य होंगे।

धमतरी में बनेगा हाइटेक बस स्टैंड और ऑडिटोरियम, अंबिकापुर में मां महामाया कॉरीडोर के लिए 11.6 करोड़

योजना के तहत धमतरी नगर निगम में दो कार्यों के लिए कुल 24 करोड़ 64 लाख रुपए मंजूर किए गए हैं. इनमें 17 करोड़ 70 लाख रुपए का नवीन हाइटेक बस स्टैंड निर्माण और छह करोड़ 94 लाख रुपए का ऑडिटोरियम निर्माण शामिल है। जगदलपुर नगर निगम में भी दो कार्यों के लिए कुल 19 करोड़ 95 लाख रुपए स्वीकृत किए गए हैं। इनमें दस करोड़ छह लाख रुपए का मुक्तिधाम से समुद्र चौक, पॉवर हाउस चौक, पंचपथ चौक होते हुए लालबाग आमागुड़ा चौक तक मार्ग चौड़ीकरण और नौ करोड़ 89 लाख रुपए का दलपत सागर विकास व सौंदर्यीकरण कार्य शामिल है। बीरगांव नगर निगम में दो कार्यों के लिए 24 करोड़ 75 लाख रुपए से अधिक की राशि मंजूर की गई है। इनमें सात करोड़ 90 लाख रुपए की लागत से उरला नाला निर्माण (5.08 किलोमीटर) तथा 16 करोड़ 85 लाख रुपए का शनि मंदिर से फिल्टर प्लांट होते हुए कन्हेरा मोड़ तक सड़क निर्माण शामिल है।

रायपुर में 91.27 करोड़, रायगढ़ में 64.66 करोड़ और बिलासपुर में 57.92 करोड़ के काम, कोरबा में गौरव पथ के लिए 36.55 करोड़

मुख्यमंत्री नगरोत्थान योजना से रायपुर नगर निगम में कुल 91 करोड़ 27 लाख रुपए के चार कार्यों की स्वीकृति दी गई है। इनमें नौ करोड़ दो लाख रुपए की लागत से 18 रोड जंक्शन्स के विकास, 23 करोड़ 38 लाख रुपए से जल आपूर्ति व्यवस्था के सुदृढ़ीकरण, 18 करोड़ 86 लाख रुपए के महादेव घाट पुनरूद्धार योजना फेज-1 और तेलीबांधा में 40 करोड़ रुपए के टेक्नीकल टॉवर का निर्माण शामिल है। रायगढ़ नगर निगम में कुल 64 करोड़ 66 लाख रुपए के तीन कार्य स्वीकृत किए गए हैं। इनमें 29 करोड़ 57 लाख रुपए का न्यू शनि मंदिर से छठघाट तक मरीन ड्राइव विस्तार,12 करोड़ 81 लाख रुपए का एफ.सी.आई. के पास ऑक्सीजोन-कम-स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स विकास कार्य और 22 करोड़ 28 लाख रुपए का न्यू सारंगढ़ बस स्टैंड (अंतरराज्यीय बस टर्मिनल) का उन्नयन कार्य शामिल है। बिलासपुर नगर निगम में योजना के तहत कुल 57 करोड़ 92 लाख रुपए की लागत के नौ कार्य मंजूर किए गए हैं. इनमें 17 करोड़ रुपए का अशोक नगर-बिरकोनी रोड चौड़ीकरण,नौ करोड़ 74 लाख रुपए का अरपा इंद्रा सेतु से राम सेतु तक अटल पथ निर्माण,पांच करोड़ नौ लाख रुपए का मंगला चौक से आजाद चौक तक सड़क निर्माण,पांच करोड़ 26 लाख रुपए का गुरुनानक चौक से मोपका/राजकिशोर नगर तिराहा तक डामरीकरण एवं नाला निर्माण, दो करोड़ 22 लाख रुपए का रकबंधा तालाब उसलापुर का सौंदर्यीकरण,छह करोड़ 82 लाख रुपए का सिरगिट्टी क्षेत्र में सीसी रोड एवं नाली निर्माण तथा एक करोड़ 70 लाख रुपए का जोन-7 के अंतर्गत सीसी रोड विकास कार्य शामिल हैं। तिफरा में सीसी रोड और नाली निर्माण के लिए छह करोड़ 48 लाख रुपए तथा शहर में स्ट्रीट लाइट व विद्युत लाइट पोल के प्रतिस्थापन के लिए तीन करोड़ 62 लाख रुपए से अधिक की राशि स्वीकृत की गई है। कोरबा में सीएसईबी चौक से जैन चौक-आईटीआई चौक से कोसाबाड़ी चौक तक गौरव पथ के निर्माण के लिए 36 करोड़ 55 लाख रुपए मंजूर किए गए हैं।

हाई कोर्ट ने बदला निचली अदालत का फैसला!

तलाक के बाद पति की संपत्ति पर नहीं रह सकेगी पत्नी,सिर्फ बच्चों का हक...

रायपुर,01 दिसम्बर 2025। छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट में जस्टिस नरेंद्र कुमार व्यास की सिंगल बेंच ने स्पष्ट किया है कि तलाक के बाद पत्नी को पति की संपत्ति में रहने का कोई कानूनी अधिकार नहीं रहता,लेकिन बच्चों को पिता की संपत्ति में रहने का अधिकार प्राप्त होता है, क्योंकि वे उसके वैध वारिस हैं। यह निर्णय दुर्ग जिले में भिलाई स्टील प्लांट के कर्मचारी अजय कुमार रेड्डी और उनकी पूर्व पत्नी राजश्री के बीच लंबे समय से चल रहे विवाद के मामले में लिया गया है। निचली अदालत ने पहले पत्नी और बच्चों दोनों को घर खाली करने का आदेश दिया था, जिसे हाई कोर्ट ने आंशिक रूप से संशोधित किया है। अजय कुमार रेड्डी ने 2002 में भिलाई स्टील प्लांट से सेक्टर-8, रोड नंबर 36, क्वार्टर नंबर 1/ ए को लीज पर लिया था। 2010 में क्रूरता के आधार पर अदालत ने अजय और राजश्री के बीच तलाक की डिक्री जारी की। तलाक के बावजूद राजश्री बच्चों के साथ उसी घर में रहती रहीं। अजय का आरोप था कि 2006 में राजश्री ने ताला तोड़कर घर में अवैध रूप से कब्जा कर लिया, जिसके बाद उन्होंने 2014 में कोर्ट में घर खाली कराने,बकाया किराया, बिजली-पानी के बिल और हर्जाने की मांग की। निचली अदालत ने 2018 में राजश्री और बच्चों को 2 महीने में घर खाली करने का आदेश दिया था। हाई कोर्ट ने फैसले में स्पष्ट किया कि तलाक के बाद पति-पत्नी के बीच पारिवारिक रिश्ते कानूनी रूप से खत्म हो जाते हैं। घरेलू प्रताड़ना अधिनियम की धारा 2(एफ) के अनुसार,वैवाहिक संबंध समाप्त होने पर पत्नी के लिए पति के घर में रहने का आधार भी समाप्त हो जाता है। हाई कोर्ट ने निचली अदालत के फैसले में संशोधन करते हुए कहा कि पत्नी को घर खाली करना होगा।

स्वदेशी मेला 2025-26 : भूमि पूजन संपन्न, 18 से 25 दिसंबर तक साइंस कॉलेज ग्राउंड में लगेगा भव्य मेला

रायपुर,01 दिसम्बर 2025। भारतीय विपणन विकास केन्द्र द्वारा आयोजित होने वाला प्रतिष्ठित स्वदेशी मेला 2025-26 इस वर्ष 18 से 25 दिसंबर तक साइंस कॉलेज मैदान में आयोजित होगा। मेले के आयोजन से पूर्व 1 दिसंबर की सुबह 9:30 बजे भूमि पूजन कार्यक्रम विधिवत सम्पन्न हुआ। भूमि पूजन में गणमान्यजनों की उपस्थिति कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में माननीय कैबिनेट मंत्री गुरु खुशवंत सिंह साहब तथा महापौर श्रीमती मीनल चौबे उपस्थित रहीं। मेला संयोजक श्री केदारनाथ गुप्ता अपनी धर्मपत्नी के साथ भूमि पूजन में उपस्थित हुए। इसके अलावा सहसंयोजक श्री जसप्रीत सिंह सलूजा, स्वागत समिति अध्यक्ष आनंद सिंघानिया, स्वागत समिति सचिव अमरजीत सिंह छाबड़ा, प्रांत संयोजक स्वदेशी जागरण मंच जगदीश पटेल, प्रांत मेला प्रमुख अमर बंसल, प्रबंधक भारतीय विपणन विकास केंद्र सुब्रत चाकी, महिला मेला प्रमुख आरती दुबे, सह महिला प्रमुख सीमा शर्मा, एवं सामाजिक-सांस्कृतिक क्षेत्र से जुड़े अनेक गणमान्यजन सम्मिलित हुए।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में उपस्थित अन्य सदस्य एवं समाजसेवी : उमेश अग्रवाल, गोपाल अग्रवाल, युगबोध अग्रवाल,प्रवीण मैशेरी, डॉ. सलीम राज, शताब्दी पांडे, डॉ. इला गुप्ता, शीला शर्मा, इंदिरा जैन, विवेक बर्धन, सुधीर फौजदार, विनय शर्मा, बिहारी होतवानी, अश्विन प्रभाकर, दिग्विजय भाकरे, सुचित्रा बर्धन, निधि झा, शकुंतला श्रीवास, अर्चना भाकरे, उमा शुक्ला, रैहाना खान, सुनीता चंसोरिया, सुनीता पाठक, निशा संमदुलकर, अर्चना वोरा, सीमा कटंककार, खुशबू शर्मा, लक्ष्मी जीलहरे, सविता मौर्या, अंजलि देशपांडे, राजमोहन बाग, राहुल देव पंत देवेंद्र गुप्ता सहित कई प्रतिनिधि मौजूद रहे।

350 से अधिक स्टॉल, अनेक प्रतियोगिताएँ : प्रबंधक सुब्रत चाकी ने बताया कि स्वदेशी मेला हर वर्ष की तरह इस बार भी भव्य स्वरूप में आयोजित होगा। मेले में 350 से अधिक स्वदेशी उत्पादों के स्टॉल लगाए जाएंगे सुई से लेकर बड़े मशीनरी स्तर तक की वस्तुएँ एक ही स्थान पर उपलब्ध रहेंगी प्रतिदिन मेहंदी,रंगोली, चित्रकला,समूह नृत्य सहित विभिन्न प्रतियोगिताएँ होंगी हजारों प्रतिभागियों को मंच प्रदान किया जाएगा।

विभिन्न राज्यों की संस्कृति और खान-पान होगा आकर्षण : मेले में छत्तीसगढ़ के साथ गुजरात, राजस्थान, पंजाब, ओडिशा, आंध्रप्रदेश तथा अन्य राज्यों की संस्कृति, लोक नृत्य और पारंपरिक भोजन के विशेष स्टॉल लगाए जाएंगे। प्रतिदिन मंच पर लोकनृत्य और सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ मेले की विशेष आकर्षण होंगी।

संगोष्ठियाँ भी होंगी आयोजित : मेले के दौरान समसामयिक विषयों पर विशेषज्ञों की संगोष्ठियाँ भी आयोजित की जाएंगी, जिनमें विषय विशेषज्ञ अपनी बातें रखेंगे।

ट्रेनी आईपीएस अफसरों ने की राज्यपाल डेका से मुलाकात

रायपुर,01 दिसम्बर 2025। राज्यपाल रमेन डेका ने कहा कि पुलिस को आमजनता से मानवीय दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए संवेदनशीलता के साथ बर्ताव करना चाहिए। पुलिस की छवि, थाने में शिकायत लेकर आने वाले नागरिकों से किए गए व्यवहार से बनती है। पुलिस अधिकारियों को थाने में आए पीड़ित व्यक्तियों की सहायता के लिए तत्पर होना चाहिए। राज्यपाल डेका ने आज राजभवन में भेंट करने आए भारतीय पुलिस सेवा के परीवीक्षाधीन अधिकारियों से उक्त बातें कही। भेंट के दौरान राज्यपाल के सचिव डॉ. सी. आर. प्रसन्ना, नेताजी सुभाषचंद्र बोस, राज्य पुलिस अकादमी, चंद्रखुरी रायपुर के निदेशक अजय कुमार यादव, अकादमी के पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक पल्लव, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पंकज शुक्ला भी उपस्थित थे। परीवीक्षाधीन आइपीएस अधिकारियों आदित्य कुमार, अंशिका जैन, बनसोडे प्रतीक दादासाहेब और साकोरे मानसी नानाभाऊ ने राज्यपाल से भेंट की।

दो बाइकों में जोरदार भिड़ंत, दो युवकों की मौके पर मौत, 2 गंभीर

रायगढ़,01 दिसम्बर 2025। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। पूंजीपथरा थाना क्षेत्र के राबो-बिलासखार मार्ग पर आज सुबह केटीएम और स्प्लेंडर बाइक के बीच आमने-सामने जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि स्प्लेंडर बाइक सवार दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही पूंजीपथरा पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को तुरंत उपचार के लिए अस्पताल भेजा।

गौरव राठौर 19वीं राष्ट्रीय जम्बूरी में चयनित होकर सेवाएँ प्रदान करने पर दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे,भारत स्काउट्स एंड गाइड्स के लिए गर्व का क्षण

बिलासपुर, 01 दिसम्बर 2025। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर ज़िले के वीर आज़ाद ग्रुप के प्रतिभावान रोवर गौरव राठौर उन चुनिंदा युवाओं में शामिल हुए, जिन्हें 19वीं राष्ट्रीय जम्बूरी में प्रेस एवं मीडिया टीम के रूप में अपनी सेवाएँ प्रदान करने हेतु राष्ट्रीय मुख्यालय द्वारा चयनित किया गया। यह भव्य राष्ट्रीय जम्बूरी 23 नवंबर से 29 नवंबर 2025 तक लखनऊ, उत्तर प्रदेश में आयोजित की गई। देशभर में सोशल मीडिया के माध्यम से युवाओं का आह्वान किया गया था, जिसमें विभिन्न राज्यों के युवाओं ने आवेदन किया। इसी प्रक्रिया के अंतर्गत गौरव राठौर का साक्षात्कार भी लिया गया, जिसमें उन्होंने अपनी योग्यता, आत्मविश्वास और स्काउटिंग अनुभव के बल पर सफलता पूर्वक चयन प्राप्त किया। इस भव्य जम्बूरी में पूरे देश से लगभग 35,000 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम की गरिमा उस समय और भी बढ़ गई जब भारत की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु,उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल,तथा उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ कार्यक्रम में पधारकर जम्बूरी को शुभाशीष प्रदान किए। इस विशाल राष्ट्रीय आयोजन में गौरव राठौर का चयन होकर अपनी सेवाएँ देना, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे तथा भारत स्काउट्स एंड गाइड्स राज्य के लिए अत्यंत गर्व और सम्मान की बात है। गौरव राठौर अपनी इस उपलब्धि का संपूर्ण श्रेय बिलासपुर ज़िले के जिला आयुक्त (स्काउट) श्री अनुराग सिंह/सीनियर डी.सी.एम. बिलासपुर, श्री दिलीप कुमार स्वाई/राज्य संगठन आयुक्त एवं अपने ज़िला संगठन के सभी पदाधिकारियों तथा अपने रोवर-स्काउट लीडर को देते हैं, जिनके सतत सहयोग, मार्गदर्शन और प्रोत्साहन से वे अपने स्काउटिंग जीवन में निरंतर प्रगति करते रहे हैं।

एक्सपायरी दवाइयां जलाने से 8 छात्राएं अस्पताल में भर्ती,परिजनों में मचा हडकंप

पखांजुर,01 दिसम्बर 2025। कांकेर जिले के पखांजुर में सोमवार को गंभीर लापरवाही का मामला सामने आया है, जहां उपस्वास्थ्य केंद्र द्वारा स्कूल के ठीक पास एक्सपायरी दवाइयां जलाने के कारण जहरीला धुआं फैल गया। धुएं के संपर्क में आने से सरस्वती शिशु मंदिर स्कूल पीवी-43 की आठ बच्चियों की तबीयत अचानक बिगड़ गई, जिन्हें तत्काल सिविल अस्पताल पखांजुर में भर्ती कराया गया। हालांकि राहत की बात यह है कि सभी बच्चियां खतरे से बाहर हैं और उनका इलाज जारी है। घटना दोपहर करीब 2 बजे की बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार, उपस्वास्थ्य केंद्र पखांजुर में पदस्थ आरएसओ विवेक बड़ाई ने एक्सपायरी दवाइयों को नष्ट करने की प्रक्रिया के तहत उन्हें जलाया। लेकिन यह कार्रवाई स्कूल के बेहद नजदीक की गई, जिससे उठने वाला जहरीला धुआं हवा के साथ सीधे स्कूल परिसर में फैल गया। उस समय कक्षाओं में लगभग 40 छात्राएं मौजूद थीं। जैसे ही धुआं कक्षाओं में भरने लगा, कई बच्चों ने सांस लेने में दिक्कत, आंखों में जलन, सीने में भारीपन, घबराहट और चक्कर आने की शिकायत की।

दो राइस मिलों पर प्रशासन ने मारा छापा,5 करोड़ से अधिक के अवैध धान व चावल जब्त

धमतरी,01 दिसम्बर 2025। छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले में प्रशासनिक टीम ने अवैध भंडारण के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। प्रशासन ने दो राइस मिलों पर छापा मारकर भारी मात्रा में धान और चावल जब्त किया है। यह कार्रवाई जिले के सोरम स्थित फूलमानी राइस मिल और धमतरी शहर की अशोक राइस मिल में की गई। जहां नियमों को ताक पर रखकर बड़े पैमाने पर धान और चावल का भंडारण किया जा रहा था। मिली जानकारी की अनुसार, छापेमारी के दौरान दोनों मिलों से करीब 22 हजार क्विंटल धान और 10 हजार क्विंटल चावल बरामद किया गया है। जब्त किए गए इस माल की अनुमानित कीमत 5 करोड़ रुपये से भी अधिक बताई जा रही है। इस कार्रवाई में राजस्व विभाग, खाद्य विभाग,मार्कफेड और मंडी बोर्ड के अधिकारी शामिल रहे।

कोचिया से 68 क्विंटल अवैध धान किया गया जब्त : इसी तारतम्य में जिला प्रशासन ने अवैध धान परिवहन पर बड़ी कार्रवाई की है। ग्राम खपरी-जोरातराई से छाती की ओर ले जाये जा रहे लगभग 168 कट्टा (68.20 क्विंटल) धान कोचिया थानेश्वर सिंह पिता रामचंद सिंह, निवासी सेमरा (सि.), सिलौटी द्वारा किसानों से अवैध रूप से खरीदा गया पाया गया। धान से भरे ट्रैक्टर को मौके पर रोककर जांच की गई,जिसमें कोचिये द्वारा किसी भी प्रकार का अनुमति पत्र अथवा वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किया गया।

परिवहन में उपयोग किये ट्रैक्टर-ट्राली भी जब्त

जिला प्रशासन के निर्देशों के तहत मंडी शुल्क एवं वैधता की जांच के लिए वाहन तथा धान को मंडी नियमों के तहत जब्त किया गया। ट्रैक्टर क्रमांक CG07 X 4029 को भखारा थाना परिसर लाया गया। प्रारंभ में कोचिया द्वारा वाहन को थाना भखारा की अभिरक्षा में रखने की बात कही गई,परंतु बाद में उन्होंने इसे मंडी परिसर कुरूद में रखने का अनुरोध किया मौके पर उपस्थित पंचों के समक्ष विधिवत पंचनामा तैयार किया गया, जिसे सभी के समक्ष पढ़कर सुनाया गया।

अवैध धान परिवहन पर कलेक्टर का सख्त निर्देश

इस संबंध में कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि जिले में अवैध धान खरीदी,भंडारण एवं परिवहन पर सख्त निगरानी रखी जाए। उन्होंने कहा कि समर्थन मूल्य पर धान खरीदी को पारदर्शी बनाने के लिए अवैध गतिविधियों में संलिप्त किसी भी व्यक्ति के विरुद्ध तत्काल कार्रवाई की जाएगी। कलेक्टर ने सभी अनुविभागीय अधिकारियों,राजस्व एवं पुलिस दलों को सतत पेट्रोलिंग करने और संदिग्ध वाहनों की जांच अनिवार्य रूप से करने के निर्देश दिए हैं। जिला प्रशासन ने किसानों से भी अपील की है कि वे अपना धान केवल अधिकृत समितियों को ही बेचें।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050,डॉक रजिस्टर्ड क्र.:-13/सरगुजा/डीएन/2023-2025-मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)